3 उद्योगों के लिए मूलभूत जरूरतों को पूरा करने का किया... 5 उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र सहित कुछ अन्य प्रदेश भी पीपीपी... 7 Ayurvedic home remedies to relieve constipation...

राष्ट्रीय सरोकारों से परिपूर्ण समाचार पत्र

मासिक समाचार पत्र

अतुल्य लोकतंत्र

Postal REGN. : L-2/Faridabad/330/2022-24

Email : atulyaloktantra09@gmail.com

जीवन को छह आयु वर्गों में बांट सरल बनाएगी सरकार

#Page-08

वर्ष : 07 | अंक : 12 | फरीदाबाद, फरवरी , 2023 | संपादक : दीपक कुमार शर्मा | RNI NO. HARBIL/2016/74676 | Mob.: 9899222656, 857791656 | मूल्य : 15 रुपए | पृष्ठ : 8

भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल के लिए क्या?

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

पंडित नेहरू से लेकर नरेंद्र मोदी तक हर प्रधानमंत्री वैश्विक मंच पर गर्व से घोषणा करते आए हैं कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। किसी भी सफल लोकतंत्र का प्रमाण यह होता है कि उसमें पक्ष और विपक्षी दल सबल भूमिका में सक्रिय रहें। कमज़ोर विपक्ष या विपक्षहीन पक्ष लोकतंत्र के पतन का रास्ता तैयार करता है। इसके साथ ही न्यायपालिका, मीडिया, चुनाव आयोग, महालेखाकार व जाँच एजेंसियों की स्वतंत्रता सुनिश्चित हो और वे निडर होकर काम कर सकें। अनुभव ये बताता है कि हमारा देश में सत्ता पक्ष विपक्ष को कमज़ोर करने का हर संभव प्रयास करता है। पर स्विट्ज़रलैंड, इंग्लैंड या अमरीका जैसे देशों में सत्तापक्ष की ओर से ऐसे अलोकतांत्रिक प्रयास प्रायः नहीं किए जाते। इसलिए उनका लोकतंत्र आदर्श माना जाता है। किसी देश की अर्थव्यवस्था के स्थायित्व के लिए ज़रूरी होता है कि देश की गृह नीति ऐसी हो जिससे समाज में शांति व्यवस्था बनी रहे। सामुदायिक भेद-भाव या सांप्रदायिकता को बढ़ने का मौक़ा न दिया जाए। तभी आर्थिक प्रगति भी संभव होती है। विदेश नीति, रक्षा नीति, आर्थिक नीति और सामाजिक कल्याण की नीतियों में निरंतरता बनी रहे इसके लिए विपक्ष को भी सरकार के साथ मिलकर रचनात्मक भूमिका निभानी होती है। भारत में मौजूदा राजनैतिक माहौल ऐसा बन गया है, मानो पक्ष और विपक्ष एक दूसरे के पूरक न हो कर शत्रु हों। इस पतन की शुरुआत इंदिरा गांधी के ज़माने से हुई जब उन्होंने चुनी हुई प्रांतीय सरकारों को गिरा कर अपनी सरकारें बैठाना शुरू कर दिया। इससे पारस्परिक वैमनस्य भी बढ़ा और राजनीति का नैतिक पतन भी हुआ। पर यूपीए-1 और यूपीए-2 के दौर में ये काम नागालैंड, गोवा व मेघालय जैसे छोटे राज्य छोड़ कर और कहीं नहीं हुआ। इसी कारण उस दौर में देश की आर्थिक प्रगति भी तेज़ी से हुई। मौजूदा दौर में भाजपा के नेतृत्व ने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा देकर हमारी

जहां कांग्रेस ये मानती है कि वो देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए उसे वरीयता दी जानी चाहिये वहीं ज़मीनी हक़ीक़त यह है कि देश के बड़े हिस्से में कांग्रेस का नाम है ही नहीं। अनेक राज्यों में प्रांतीय सरकारें बहुत मज़बूत हैं और वहाँ कांग्रेस का वजूद लुप्तप्रायः है। जिन राज्यों में कांग्रेस का जनाधार है उन राज्यों में भी उसकी स्थिति अकेले अपने बूते पर सरकार बनाने की नहीं है। इसके अपवाद भी हैं पर कमोवेश यही स्थिति है। इस हक़ीक़त को समझ और स्वीकार करके यदि राहुल गांधी बड़ा दिल दिखाते हैं और देश के हर बड़े विपक्षी नेता से आमने-सामने बैठ कर देश की राजनैतिक स्थिति पर खुली चर्चा करते हैं, इस वायदे के साथ, कि वे प्रधान मंत्री पद के दावेदार नहीं हैं, तो सभी विपक्षी दलों

लोकतांत्रिक व्यवस्था को बहुत अस्थिर कर दिया है। ये हर हथकंडा अपना कर चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम कर रहा है। इससे न तो समाज में स्थायित्व आ रहा है और ना ही उमंग। हर ओर हताशा और असुरक्षा फैलती जा रही है। जिसका विपरीत प्रभाव उद्यमियों, सरकारी कर्मचारियों, युवाओं और महिलाओं पर पड़ रहा है। सरकार पर एक आरोप जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग का भी लग रहा है, जो वह हर चुनाव के पहले कर रही है। ऐसे में जहां भाजपा 2024 के चुनावों में 360 संसदीय सीटें जीतने का लक्ष्य रख कर अपनी रणनीति बना रही है वहीं, विपक्ष में भी भारी हलचल है। भाजपा की तरफ़ से एक आरोप यह लगाया जाता है कि विपक्ष के पास प्रधान मंत्री के पद के लिए कोई एक सर्वमान्य व्यक्ति नहीं है। 2004 में कांग्रेस ने चुनाव बिना प्रधान मंत्री के चेहरे के लड़ा था। पर बाद में डॉ मनमोहन सिंह के रूप में, 10 बरस तक एक ज्ञानी, शालीन, बेदाग़ प्रधान मंत्री दिया जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को बिना प्रचार के चुपचाप काम करके नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। मुख्यतः ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, केसीआर व अरविंद केजरीवाल जैसे दावेदारों की चर्चा अक्सर होती रहती है। उधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह कह कर कि विपक्षी एकता का प्रधान मंत्री चेहरा राहुल गांधी ही होंगे, विपक्षी दलों के सामने एक चुनौती खड़ी कर दी है। जबकि राहुल गांधी ने आजतक ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि वे भी प्रधान मंत्री पद के दावेदार हैं। विपक्ष के हर दल के नेता और उसके कार्यकर्ता अपने दिल में ये बात अच्छी तरह जानते हैं कि यदि वे एकजुट हो कर भाजपा के विरुद्ध खड़े नहीं होते तो 2024 में सरकार बनाने का उनका मंसूबा अधूरा रह जाएगा और तब उन्हें 2029 तक इंतज़ार करना होगा। इस बीच में प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई व आयकर विभाग इन नेताओं और उनके परिवारों के साथ क्या सलूक करेंगे इसका ट्रेलर वो गत आठ वर्षों से देख ही रहे हैं। फिर भी अगर वे नहीं चेते तो अपनी तुच्छ महत्वाकांक्षाओं के कारण भारत के लोकतंत्र को समाप्ति की ओर बढ़ता हुआ देखेंगे। इसलिए अब उनके पास सोचने विचारने का समय नहीं है विपक्ष के लिये तो यह 'करो या मरो' की स्थिति है। जैसे भाजपा और संघ परिवार बारह महीने चुनावी मोड में रहता है और साम, दाम, दंड या भेद से सरकार बनाते हैं। आज भले ही प्रांतीय चुनावों के संदर्भ में कांग्रेस, समाजवादी दल, भारत राष्ट्र समिति के नेता एक दूसरे पर बयानों के हमले कर रहे हों पर 2024 के चुनावों के लिए उनके ये बयान आत्मघाती हो सकते हैं। इसलिए इस दौर में राहुल गांधी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ रहे कुछ लोगों ने बताया कि इस यात्रा से राहुल गांधी के व्यक्तित्व में भारी बदलाव आया है। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में आजतक एक भी नेता ऐसा नहीं हुआ जिसने राहुल गांधी के बराबर इतनी लंबी पदयात्रा की हो और उसमें भी वह पूरी आत्मीयता के साथ समाज के हर वर्ग से दिल खोल कर मिला हो। इस ज़मीनी सच्चाई को देखने और समझने के बाद सुना है, राहुल गांधी निर्णय कर चुके हैं उन्हें प्रधानमंत्री नहीं बनना बल्कि समाज के आम आदमी को हक़ दिलाने के लिए एक संवेदनशील भूमिका में रहना है। जहां वे जनता का दुख-दर्द सरकार तक पहुँचा सकें। अगर यह सच है तो ये राहुल गांधी की बहुत बड़ी उपलब्धि है। इसलिए अब लोकतंत्र मज़बूत करने में उनकी नयी भूमिका बन सकती है। को जोड़ने में वे बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यही भाव ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, केसीआर, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल और स्टैलिन को भी रखना होगा। तब ही विपक्ष उन गंभीर मुद्दों पर भाजपा को चुनौती दे पायेगा जिन पर वो विफल रही है। मसलन रोज़गार, महंगाई, किसानों व मज़दूरों की दशा, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता का पतन आदि। जहां तक बात भ्रष्टाचार की है, भाजपा सहित कोई भी दल बेदाग़ नहीं है। इसलिए उस मुद्दे को छोड़ कर अगर बाक़ी सवालों पर भाजपा को घेरा जाएगा तो उसके लिये चुनौती तगड़ी होगी। पर इसी प्रक्रिया से लोकतंत्र मज़बूत होगा और आम जनता को कुछ राहत मिलेगी।

खौफ का मानस

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

करीब तीन साल पहले जब देश में कोरोना विषाणु के संक्रमण का खतरा पैदा हुआ था, तब विश्व स्वास्थ्य संगठन और देश की सरकार ने इससे बचाव के लिए कुछ सावधानी बरतने की हिदायत दी थी। इसके तहत मास्क पहनना और लोगों को आपसी दूरी बरतने की सलाह मुख्य थी। इसमें मुख्य संदेश यह था कि चूंकि कोरोना का संक्रमण किसी के संपर्क में आने से हो सकता है, इसलिए इसका कोई इलाज आने तक खुद को बचाना ही एकमात्र उपाय है। मगर जनजागरूकता के मकसद से जारी किए गए इस संदेश के प्रचार का तरीका शायद इतना आक्रामक था कि उसने कई स्तरों पर लोगों के भीतर डर भी पैदा किया। सच यह है कि कुछ लोगों के मन में वह डर इस कदर उतर गया कि उससे उबरना उनके लिए मुश्किल हो गया। हाल में दिल्ली से सटे गुरुग्राम में एक ऐसा ही मामला सामने आया, जिसने ऐसे लोगों को भी हैरान किया, जिन्होंने कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए हर स्तर पर सावधानी बरती थी, मगर खुद को ऐसे डर का शिकार होने से बचाए रखा। खबर के मुताबिक, पति और अपने सात साल के बच्चे के साथ रहने वाली एक महिला के मन में विषाणु के संक्रमण का खौफ इतना गहरे बैठ गया कि वह पिछले तीन साल तक अपने घर में बंद रही। उसके लिए खाने-पीने या अन्य जरूरत का सामान उसका पति या अन्य कोई दरवाजे पर रख देता था। बच्चे की पढ़ाई के लिए उसने आनलाइन तरीका चुना था। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि पूर्णबंदी के पहले चरण में ढील मिलने के बाद उसका पति जब नौकरी के लिए बाहर निकला, तो महिला ने उसे भी घर में प्रवेश नहीं करने दिया। पति को किराए का घर लेकर बाहर रहना पड़ा। जाहिर है, इसे बीमारी के बचाव के लिए बरती गई सावधानी के खौफ और फिर मनोरोग में तब्दील हो जाने के तौर पर देखा जा सकता है। ऐसी स्थिति में होना यह चाहिए था कि महिला के पति, उसके अन्य रिश्तेदार या पड़ोसियों में से कोई भी पुलिस की मदद लेकर उसे बाहर निकालने की कोशिश करता। हालांकि आखिर महिला के पति ने पुलिस की मदद से ही तीन साल बाद अपने बच्चे और पत्नी को निकाला, लेकिन यह पहल पहले भी की जा सकती थी। यह एक स्वाभाविक स्थिति होती है कि डर या मानसिक आघात की स्थिति में कोई व्यक्ति अकेला पड़ता है तो वह उसकी जटिलताओं में और ज्यादा फंसता चला जाता है। कोरोना संक्रमण के डर की वजह से महिला इसी स्थिति का शिकार होकर मानसिक रूप से बीमार हो गई।

अंकुश से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

याचिकाकर्ता वकील का कहना था कि इस मामले में मीडिया सनसनी फैला रहा है। मगर अदालत ने कहा कि हम मीडिया पर रोक नहीं लगा सकते। समझना मुश्किल नहीं है कि इस याचिका के पीछे याचिकाकर्ता का क्या मकसद था। दरअसल, जबसे हिंडनबर्ग ने अडाणी समूह के गलत तरीके से बाजार में अपनी प्रतिभूतियों की कीमतें बढ़ाने को लेकर तथ्य प्रकाशित किए हैं, तबसे अडाणी समूह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। शेयर बाजार में अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें लगातार गिर रही हैं। एक के बाद एक नए खुलासे हो रहे हैं। उसमें फर्जी कंपनियां खड़ी करके दूसरे देशों के जरिए धनशोधन के तथ्य भी उजागर हुए हैं। इस तरह इन कंपनियों में निवेश की गई भारतीय जीवन बीमा निगम और भारतीय स्टेट बैंक जैसी संस्थाओं की पूंजी को लेकर भी शंकाएं जताई जाने लगी हैं। एलआइसी और एसबीआइ में चूंकि देश के आम निवेशकों का पैसा जमा है और वही इन कंपनियों के शेयरों में लगाया गया है, इसलिए देश के करोड़ों निवेशकों की चिंता गहरी होती गई है। स्वाभाविक ही अडाणी समूह के शेयरों के गिरने और उनकी कंपनियों में हुए फर्जीवाड़े, अनियमितताओं आदि को लेकर विपक्ष हमलावर है और सरकार से सवाल कर रहा है। मीडिया उन तमाम पहलुओं की जानकारी परोस रहा है। याचिकाकर्ता की मंशा स्पष्ट है कि उसने मीडिया पर रोक लगाने की मांग ही इसलिए की थी ताकि अडाणी समूह से जुड़ी सूचनाएं आम निवेशकों तक न पहुंच पाएं और वह बदनामी से बच सके। मगर

सर्वोच्च न्यायालय इन खबरों पर रोक लगा कर संवैधानिक तकाजे को मटियामेट नहीं कर सकता था। वह मांग ही बेतुकी थी। आखिर देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ी किसी बड़ी घटना की सूचना नागरिकों तक पहुंचाने से किसी को क्यों रोका जाना चाहिए? मगर अडाणी समूह के पैरोकार शुरू से इस कोशिश में लगे रहे हैं कि किसी तरह कंपनी की साख को बचा लिया जाए, मगर वह संभव नहीं हो सका, तो खबरों पर रोक लगाने की याचिका ही दायर कर दी। सर्वोच्च न्यायालय इस मामले को लेकर काफी गंभीर है। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जब सरकार ने बंद लिफाफे में इस मामले की जांच के लिए प्रस्तावित समिति के सदस्यों के नाम दिए तो सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वह इस मामले में पारदर्शिता चाहता है। वह बंद लिफाफे में दिए गए नामों के बजाय खुद समिति के सदस्यों का चुनाव करेगा। दरअसल, यह मामला गलत तरीके से धन जमा करने और आम निवेशकों के साथ धोखाधड़ी करके अपनी संपत्ति बढ़ाने से जुड़ा है। इसके कई गंभीर पक्ष हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन पक्षों के बारे में जानने का हक हर नागरिक को है और यह जानकारी मीडिया ही पहुंचा सकता है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय ने सीधे ऐसी खबरों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस निर्णय से एक नजीर भी बनी है कि जो लोग अनियमितता करके बदनामी से बचने या अपने विरुद्ध आ रही जानकारियों को दबाने का प्रयास करते हैं, उन्हें ऐसा करने से बाज आना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि जल्द ही वह इस मामले पर फैसला सुनाने वाला है। निस्संदेह सर्वोच्च न्यायालय के इस रुख से लोगों का भरोसा मजबूत हुआ है।

अराजकता के पांव

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

पंजाब में अमृतसर के अजनाला में एक पुलिस थाने में गुरुवार को जैसे हालात हो गए थे, उससे एकबारगी यह लगा कि शायद राज्य में कानून-व्यवस्था ढह चुकी है और अराजकता हावी है। हालांकि यह कहा जा सकता है कि ऐसी अप्रत्याशित स्थिति कहीं भी आ सकती है, लेकिन अगर इसके बरक्स पुलिस और शासन-व्यवस्था एकदम लाचार और इससे भी आगे उपद्रवियों के सामने समर्पण करती हुई दिखाई दे तब ऐसे में आम जनता अपनी सुरक्षा की उम्मीद किससे करेगी! दरअसल, वहां पुलिस ने लवप्रीत सिंह नाम के व्यक्ति को अपहरण समेत कई अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। लवप्रीत सिंह को वहां एक कट्टरतावादी सिख संगठन 'वारिस पंजाब दे' के प्रमुख अमृतपाल सिंह का करीबी माना जाता है, जो उसे रिहा कराने के मकसद से हजारों समर्थकों के साथ अजनाला थाने पर पहुंच गया गया था। भीड़ में कई लोग बंदूक और तलवार से भी लैस थे। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भीड़ के तेवर और दबाव के सामने वहां मौजूद पुलिसकर्मी लाचार दिखे।

यों प्रदर्शनकारियों से सीधे हिंसक तरीके से ही निपटना कोई बेहतर विकल्प नहीं माना जाता है, लेकिन एक तरह से समूचे प्रशासन का मूकदर्शक रहना एक विचित्र स्थिति थी। हैरानी की बात यह है कि अजनाला थाने का घेराव

दिखने में अचानक हुई घटना लगती है, मगर सच यह है कि इसकी पृष्ठभूमि कई दिनों से तैयार हो रही थी और शायद पुलिस ने सुचिंतित तरीके से इस मामले से निपटने के लिए समय रहते कदम नहीं उठाए। सवाल है कि क्या अपने एक व्यापक तंत्र के बावजूद वहां की पुलिस को कट्टरतावादी संगठन के मुद्दे, उनके काम करने के तरीके और उसके संरक्षकों की प्रतिक्रिया का अंदाजा नहीं था? अगर किसी संवेदनशील मामले में पुलिस ने इस संगठन के किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया भी था, तो क्या इससे पहले पूरी तैयारी जरूरी नहीं थी? आखिर क्या वजह है कि थाने पर हमले के बाद पैदा हुई स्थिति में पुलिस को अपना रुख नरम करना पड़ा? लवप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के आधार कितने मजबूत थे कि अजनाला की एक अदालत ने उसे रिहा करने में ज्यादा वक्त नहीं लगाया? अगर महज उसके समर्थकों के प्रदर्शन के दबाव में आकर पुलिस ने अपने कदम पीछे खींचे तो इसे कानून-व्यवस्था के लिहाज से कैसे देखा जाएगा? गौरतलब है कि 'वारिस पंजाब दे' और उसके मुखिया अमृतपाल सिंह को खालिस्तान से सहानुभूति रखने वाला माना जाता है। अगर इस धारणा में सच्चाई है तो समझा जा सकता है कि इस संगठन की चुनौती अब मौजूदा संदर्भों में किस रूप में खड़ी हो रही है। पंजाब में अतीत के दिन आज भी बहुत सारे लोग भूल नहीं सके होंगे और कोई नहीं चाहेगा कि वह त्रासदी फिर से खड़ी हो। लेकिन सरकार और पुलिस-प्रशासन का रवैया अगर बेहद सुचिंतित, परिपक्व और सावधानी से भरा नहीं रहा तो आने वाले वक्त में छोटी-छोटी घटनाएं कैसा मोड़ लेंगी, कहा नहीं जा सकता! यह छिपा तथ्य नहीं है कि पंजाब में जब से आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तब से कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर कई बार ऐसी हालत देखी गई है, मानो आपराधिक तत्त्वों को बेलगाम होने का मौका मिल गया हो। जबकि चुनावों के दौरान पार्टी ने राज्य की जनता से कानून-व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त करने से लेकर नशामुक्ति जैसे कई बड़े वादे किए थे। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि पंजाब देश का सीमावर्ती और संवेदनशील राज्य है। ऐसे में मामूली कोताही की वजह से भी कोई साधारण समस्या भी जटिल शक्ल अख्तियार कर ले सकती है।

सरकारी बनाम निजी स्कूल की रेस!

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

सरकारी स्कूलों को सरकार से और अधिक प्रोत्साहन की जरूरत है। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत सहित विकासशील देशों के सरकारी स्कूलों में बच्चों के सीखने का स्तर काफी कम है। भारतीय सरकारी स्कूलों के पांचवीं कक्षा के आधे से ज्यादा बच्चे दूसरी कक्षा स्तर का पाठ भी नहीं पढ़ पाते। इसे कमी कहें, विसंगति या नीतियों की कमजोरी, पर सच्चाई यही है। भारत में सरकारी स्कूलों में फिर से बढ़ता दाखिले का आंकड़ा बेहद सुकूनदेह है। थोड़े और प्रयास से इसमें और ज्यादा सफलता मिल सकती है। सही है कि अब भी असली प्रतिस्पर्धा सरकारी बनाम निजी स्कूलों की है। मगर कोरोनो काल के बाद के आंकड़े बताते हैं कि लोगों का रुझान दुबारा सरकारी स्कूलों की तरफ हुआ है। इस भरोसे की वजह लंबे समय तक कामकाज और रोजी-रोजगार ठप्प पड़ने से कमाई का संकट और जमा पूंजी खत्म होना भी है। निजी स्कूलों की भारी फीस न चुका पाने की मजबूरी ने सरकारी स्कूलों को दुबारा आबाद किया। कोविड के वक्त वैकल्पिक आनलाइन शिक्षा की व्यवस्था तो हुई, लेकिन दुष्परिणाम ज्यादा दिखे। बच्चों का स्कूल में सीखने का स्तर घटा, वहीं आनलाइन पढ़ाई के चलते गंभीरता और एकाग्रता भी कम हुई। इसलिए बंदी खुलते ही सरकारी स्कूलों में दाखिले बढ़ गए। यह कहना ठीक नहीं कि सरकारी स्कूलों का स्तर खराब है। अपवादों को छोड़ दें तो बहुतेरे स्कूल बेहतर नतीजों के चलते अलग साख रखते हैं। देशी-विदेशी तमाम शोध और आंकड़े भी यही इशारा करते हैं। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन यानी ओईसीडी ने देशों की विभिन्न चालीस शिक्षा प्रणालियों में सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को जोड़े बिना पाया कि निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की तुलना में पढ़ने के

अधिक अंक अर्जित किए। मगर जब छात्र और स्कूल की सामाजिक और आर्थिक दशा को ध्यान में रख कर गणना हुई, तो पता चला कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अंक निजी स्कूलों के मुकाबले अधिक थे। मतलब साफ है कि सरकारी स्कूल मुकाबले में कहीं पीछे नहीं हैं। निजी बनाम सरकारी स्कूलों की बहस कोई नई नहीं है, जो शिक्षा का अधिकार (आरटीई) लागू होने के बाद और बढ़ी। फिलहाल निजी और सरकारी स्कूलों के बीच खाई बढ़ी है। निजी स्कूलों की चकाचौंध और भारी फीस को स्तर मानना और सरकारी स्कूल से तुलना बेमानी है। एक सोच भी बनी कि पैसे वालों के बच्चे निजी स्कूलों में, तो गरीबों के सरकारी स्कूलों में पढ़ते हैं। इस मिथक को दिल्ली सरकार ने अपनी मंशा के अनुरूप तोड़ कर दिखाया। केरल और कर्नाटक के भी तमाम सरकारी स्कूल बेहतर हैं। मध्यप्रदेश में 'सीएम राइज स्कूल' और छत्तीसगढ़ में 'स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल' की शुरुआत से लोगों का जबरदस्त रुझान फिर से सरकारी स्कूलों की तरफ बढ़ा है।

अब उसी राह पर गुजरात भी नया और अभिनव प्रयोग कर रहा है। इसी महीने (4 फरवरी 2023 को) ओईसीडी के साथ सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन यानी 'प्रोग्राम फार इंटरनेशनल स्टूडेंट एसेसमेंट' (पीसा) का करार हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन पर आधारित है। हर तीन साल में पंद्रह साल के छात्रों के गणित और विज्ञान साक्षरता को मापा जाएगा। गुजरात के बीस हजार सरकारी स्कूलों में अत्याधुनिक 'फिजिकल, डिजिटल और लर्निंग इंफ्रास्ट्रक्चर' के जरिए भारत में 'मिशन स्कूल आफ एक्सीलेंस' को गति दी जाएगी। 'ग्रेड एप्रोप्रिएट लर्निंग आउटकम' हासिल होगा। इससे पंद्रह वर्ष से अधिक उम्र के विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, समस्या का समाधान और प्रभावी संचार यानी आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान और प्रभावशाली संवाद जैसी क्षमताओं का मूल्यांकन कर विभिन्न आधुनिक जरूरतों के विषयों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन आधारित शिक्षा दी जाएगी। यकीनन इससे छात्रों की सोच, समस्या समाधान और प्रभावी संचार कौशल में सुधार होगा, जो देश के लिए मील का पत्थर होगा। सरकारी स्कूलों में ग्रेड-उपयुक्त शिक्षण परिणाम हासिल करने की दिशा में समझौता लागू करने वाला गुजरात पहला भारतीय राज्य है। सरकारी स्कूलों को सरकार से और अधिक प्रोत्साहन की जरूरत है। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत सहित विकासशील देशों के सरकारी स्कूलों में बच्चों के सीखने का स्तर काफी कम है। शिक्षा पर वार्षिक स्थिति आधारित सर्वेक्षण 'असर' यानी एनुअल स्टेटस आफ एजुकेशन रिपोर्ट 2018 के आंकड़े यही बताते हैं। भारतीय सरकारी स्कूलों के पांचवी कक्षा के आधे से ज्यादा बच्चे दूसरी कक्षा स्तर का पाठ भी नहीं पढ़ पाते। इसे कमी कहें, विसंगति या नीतियों की कमजोरी, पर सच्चाई यही है। वहीं 2022 का 'असर' सर्वेक्षण, जो कोरोना के चलते चार साल बाद हुआ, वह बढ़ते नामांकन की सुखद कहानी कहता है। देश के 616 जिलों के 19,060 गांवों में 3,74,544 घरों से जुटाए गए आंकड़ों में तीन से सोलह वर्ष की आयु के 6,99,597 बच्चों को शामिल कर हासिल किया गया आंकड़ा बताता है कि 2018 के बाद से सरकारी स्कूलों में दाखिले में तेजी आई। कारण ऊपर बताया जा चुका है। 2018 में सरकारी स्कूलों में दर्ज संख्या 65.6 प्रतिशत थी, जो 2022 में बढ़कर 72.9 हो गई। यह सुकून की बात है कि सरकारी स्कूलों में संख्या बढ़ना किसी एक राज्य में नहीं, बल्कि हर जगह दिखा। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि सरकारी स्कूलों में छात्रों का नामांकन 2019-20 के 130,931,634 के मुकाबले 2021-2022 में बढ़कर 143,240,480 हो गया यानी 1.23 करोड़ अतिरिक्त छात्रों ने सरकारी स्कूलों में दाखिला लिया। बस इसी रुझान को न केवल बरकरार रखना है, बल्कि आगे भी बढ़ाना है। यह भी सही है कि सरकारी स्कूलों में दाखिला बढ़ने के साथ अभिभावकों का ट्यूशन के प्रति भी आकर्षण बढ़ा है। मगर तुलनात्मक रूप से यह निजी स्कूलों के मुकाबले काफी सस्ता और पढ़ाई के मुकाबले बढ़िया साबित हो रहा है। बेशक, सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की पगार अच्छी है, समय-समय पर नवाचार और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। पढ़ाने के तौर-तरीकों और गुणात्मक सुधार के लिए तमाम प्रयोग होते रहते हैं। मगर सरकारी शिक्षकों का एक ढीठ वर्ग ऐसा भी है, जो बजाय पढ़ाने के, दूसरे कामों में मशगूल रहता है। इन आंकड़ों को भी जुटाना होगा कि कितने शिक्षक कक्षाओं से नदारद रहते हैं। कितने ऐसे हैं, जो निजी व्यापार, व्यवसाय, बचत खाता एजेंट या ट्यूटर बनकर अभिभावकों को प्रभावित कर अतिरिक्त कमाई में लगे रहते हैं। कई राज्यों में सरकारी शिक्षकों से दूसरे काम थोक में कराए जाते हैं। जनगणना, पशु गणना से लेकर बाहर शौच करने वालों की तस्वीरें तक लेने की सच्चाई ने हैरान किया। इससे भी शिक्षण प्रभावित होता है। वहीं शिक्षकों का देर से आना, जल्दी भाग जाना, नशाखोरी और कक्षाओं में न पढ़ाना भी अक्सर सुर्खियां बनता है। इसे आसानी से ठीक किया जा सकता है।

बदहाल पाकिस्तान और भारत की चुनौतियां

● वास्तव में पाकिस्तान पर कर्ज के बोझ में चीन के बैंकों की हिस्सेदारी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के ऋण से भी अधिक है। इस समय पाकिस्तान में श्रीलंका जैसे हालात हो गए हैं। हालांकि पाकिस्तान के राजनीतिक हालात इससे बिल्कुल अलग हैं। यहां सरकार को अपदस्थ कर कभी भी सेना व्यवस्था को अपने हाथ में ले सकती है। जाहिर है, अगर बदहाल पाकिस्तान में सैन्य शासन फिर से लागू होता है तो भारत के लिए स्थितियां ज्यादा चुनौतीपूर्ण बन सकती हैं। इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान में जब भी सैन्य शासन रहा है, भारत के साथ उसका तनाव चरम पर होता है। सीमा पर अकारण गोलाबारी, आतंकी घुसपैठ और कश्मीर में आतंकी हमलों की आशंका बढ़ जाती है।

इस समय पाकिस्तान में श्रीलंका जैसे हालात हो गए हैं। हालांकि पाकिस्तान के राजनीतिक हालात इससे बिल्कुल अलग हैं। यहां सरकार को अपदस्थ कर कभी भी सेना व्यवस्था को अपने हाथ में ले सकती है। जाहिर है, अगर बदहाल पाकिस्तान में सैन्य शासन फिर से लागू होता है तो भारत के लिए स्थितियां ज्यादा चुनौतीपूर्ण बन सकती हैं। राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक बदहाली और आतंकी घटनाओं से बेहाल पाकिस्तान का संकट गहराता जा रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ देश के संकट और चुनौतियों से जनता को आगाह तो कर रहे हैं, लेकिन समस्याओं से उबारने की कोई ठोस योजना प्रस्तुत करने में वे लगातार नाकाम रहे हैं। रोजमर्रा की चीजों की बेतहाशा बढ़ती कीमतों से आम जनता बेहाल है और सरकार के प्रति लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विदेशी मुद्रा लगभग खत्म होने की कगार पर है। कई कारखानों का सामान पाकिस्तान के बंदरगाहों पर पड़ा है, लेकिन उसे छुड़ाने के लिए व्यापारियों को बैंकों से डालर नहीं मिल पा रहे हैं। यह स्थिति पाकिस्तान की बदहाली बयान करती है। रूस-यूक्रेन युद्ध की मार पाकिस्तान पर भी पड़ी है, इसकी वजह से दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ी हैं। पाकिस्तान पेट्रोलियम उत्पादों के लिए आयात पर निर्भर है। तेल की बढ़ती कीमतों के कारण खाने-पीने का सामान बेहद महंगा हो गया है। पाकिस्तान का सैन्य खर्च बहुत अधिक है। यहां बुनियादी ढांचे पर खर्च भी कर्ज में लिए धन से किया जाता है। पाकिस्तान अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है, ऐसे समय में सभी राजनीतिक पार्टियों को मिलजुलकर समस्याओं का समाधान करना चाहिए। मगर वहां राजनीतिक प्रतिरोध की भावना प्रबल है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ दर्ज विभिन्न मामलों में फौजदारी कानून के तहत कार्रवाई शुरू हो गई है। उन पर प्रदर्शन, तोड़फोड़, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, सरकारी कार्यों में बाधा डालने, सरकारी उपहार लेने और जज को धमकी देने जैसे कई मामले दर्ज हैं। उन पर आतंकवाद निरोधक कानून की धाराएं भी लगाई गई हैं। इन सब कार्रवाइयों को राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में देखा जा रहा है। पिछले साल सत्ता खोने से नाराज इमरान खान तुरंत आम चुनाव करना चाहते हैं और इससे देश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी है। उनका दावा है कि उन्हें पद से हटाना संवैधानिक रूप से गलत था। जबकि पाकिस्तान की मौजूदा सरकार वक्त से पहले चुनाव की मांग ठुकराती रही है। आंतरिक अव्यवस्था से जूझते पाकिस्तान के पड़ोसी देशों से संबंध भी बद से बदतर हो चले हैं। भारत को लेकर उसकी विद्वेषपूर्ण नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और कश्मीर पर पाकिस्तानी नेताओं का विषवमन बदस्तूर जारी है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान में आंतरिक सुरक्षा को लेकर संकट गहरा गया है। अफगानिस्तान के लोग और तालिबान अंग्रेजों द्वारा खींची गई डूरंड रेखा को नहीं मानते। पाकिस्तान से अफगानिस्तान में डालर की तस्करी हो रही है। इस वजह से पाकिस्तानी रुपया और कमजोर हो रहा है। हाल के दिनों में पाक-अफगान सीमा पर दोनों देशों के बीच हिंसक संघर्ष बढ़े हैं। वहीं तालिबान से दोस्ताना संबंध रखने वाले एक चरमपंथी संगठन तहरीक-ए-तालिबान ने पाकिस्तान के कई इलाकों में आतंकी हमले किए हैं। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान पिछले चौदह सालों से देश में कड़े इस्लामी कानून लागू करने के लिए लड़ रहा है। देश में अल्पसंख्यकों, महिलाओं और उदारवादियों पर हमले करता रहा है। वह अफगानिस्तान से लगे सरहदी इलाकों में अपना वर्चस्व बढ़ाने में लगा है इसलिए वह इन इलाकों में पाकिस्तान की फौज की तैनाती हटाना चाहता है। पाकिस्तान की फौज से उसका टकराव होता रहता है। पाकिस्तान की मौजूदा सरकार टीटीपी से रिश्तों को लेकर इमरान खान पर निशाना साध रही है। शाहबाज शरीफ का कहना है कि इमरान खान ने ही सरहदी इलाकों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के लड़ाकों को बसाया, जो अब नासूर बन गए हैं। टीटीपी के लिए अफगान एक सुरक्षित ठिकाना है और उसके आतंकी अक्सर पाकिस्तान सेना और पुलिस पर हमले करके अफगानिस्तान में छिप जाते हैं। यह भी दिलचस्प है कि आतंकी संगठनों को समर्थन को लेकर पाकिस्तान के राजनीतिक दलों जैसी ही स्थिति सेना में भी है। पाकिस्तानी सेना में आला अफसरों के कई गुट बने हुए हैं और उनमें आपसी हितों को लेकर जबर्दस्त टकराव है। सेना के भीतर लड़ने वाले गुट एक-दूसरे के खिलाफ टीटीपी का इस्तेमाल करते हैं। जनरल बाजवा के सैन्य प्रमुख के पद से हटते ही टीटीपी द्वारा पाकिस्तान में आतंकी हमलों की शुरुआत महज संयोग नहीं, बल्कि सैन्य अफसरों में फूट को उजागर करती है। आर्थिक संकट से जूझते पाकिस्तान में चीन का विरोध भी बढ़ता जा रहा है। चीनी इंजीनियरों और नागरिकों पर वहां हमले बढ़ने से पाकिस्तान का यह प्रमुख सहयोगी नाराज है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की कई परियोजनाओं का काम इस समय रोक दिया गया है। सीपीईसी को चीन के 'बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव' का बेहद अहम पहलू माना जाता है। इसका मकसद मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप से नए जमीनी और समुद्री संपर्क बढ़ाना है। पाकिस्तान की सरकार इस परियोजना को पाकिस्तान के भविष्य की योजना बताती है, जिसमें सड़कें, रेल लाइनें, बिजलीघर और औद्योगिक क्षेत्रों का विकास करना शामिल है। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सोने, तांबे और गैस के बड़े भंडार हैं और चीन की इन पर नजर है। बलूचिस्तान में पाकिस्तान का गहरा विरोध है और वे अपनी पहचान को पाकिस्तान से अलग कर देखते हैं। बलूचिस्तान के लोगों का कहना है कि पाकिस्तान आर्थिक कठिनाइयों से गुजर रहा है। उसे पैसे की जरूरत है और वह इस मुश्किल को हल करने के लिए हमारा इलाका चीन को बेचने की कोशिश कर रहा है।

आतंकवादी और खासकर दक्षिणी पश्चिमी बलूचिस्तान सूबे के उग्रवादी चीन को बार-बार इन परियोजनाओं से बाज आने और पाकिस्तान से चले जाने या फिर अंजाम भुगतने की धमकियां देते रहे हैं। पहले पाकिस्तान की फौज ने सीपीईसी की सुरक्षा की गारंटी ली थी, लेकिन अब न तो पाकिस्तान की फौज का रुख सकारात्मक है और न ही चीनियों को उनकी सुरक्षा पर भरोसा रहा है। बलूचिस्तान के साथ ही अब तो पूरे पाकिस्तान के लोगों में चीन को लेकर बैचेनी बढ़ गई है। पाकिस्तान के आर्थिक और राजनीतिक विश्लेषक साफ कहते हैं कि चीनी कर्ज की ब्याज दर बहुत ज्यादा होने से पाकिस्तान कर्ज का समय पर भुगतान कर पाने में नाकाम रहेगा। इससे चीन पाकिस्तान की संप्रभुता को प्रभावित कर सकता है। पाकिस्तान का पढ़ा-लिखा तबका भी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की शर्तों को लेकर संशय में है। उनका मानना है कि इस अदूरदर्शी परियोजना ने पहले ही नकदी के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के इर्द-गिर्द कर्ज का एक और जाल बुन डाला है और उसकी लंबे समय से चली आ रही वित्तीय मुश्किलों को बढ़ाने का काम किया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने एक रिपोर्ट में बताया गया था कि पाकिस्तान पर लदे विदेशी कर्ज का तीस फीसद अकेले चीन का है। वास्तव में पाकिस्तान पर कर्ज के बोझ में चीन के बैंकों की हिस्सेदारी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के ऋण से भी अधिक है। इस समय पाकिस्तान में श्रीलंका जैसे हालात हो गए हैं। हालांकि पाकिस्तान के राजनीतिक हालात इससे बिल्कुल अलग हैं। यहां सरकार को अपदस्थ कर कभी भी सेना व्यवस्था को अपने हाथ में ले सकती है। जाहिर है, अगर बदहाल पाकिस्तान में सैन्य शासन फिर से लागू होता है तो भारत के लिए स्थितियां ज्यादा चुनौतीपूर्ण बन सकती हैं।

संपादकीय

आखिर चुनाव

आखिरकार दिल्ली नगर निगम के महापौर और उप महापौर का चुनाव संपन्न हो गया। जैसी कि उम्मीद थी, दोनों पदों पर आम आदमी पार्टी को विजय हासिल हुई। पिछले साल दिसंबर के पहले हफ्ते में नगर निगम चुनाव के नतीजे आए थे और उसमें आम आदमी पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला था। इसलिए माना जा रहा था कि महापौर के पद पर भी उसी के प्रत्याशी की जीत होगी। शुरू में भाजपा ने कह दिया था कि वह इन दोनों पदों पर अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी। मगर जब आम आदमी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी तो भाजपा ने भी अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। तभी से कयास लगाए जाने लगे थे कि जब सदन में भाजपा को किसी भी तरह से बहुमत हासिल नहीं है तो आखिर वह अचानक चुनाव मैदान में उतर क्यों रही है। वहीं आम आदमी पार्टी इसमें कोई साजिश तलाशने लगी। उसे आशंका थी कि भाजपा कोई तोड़फोड़ करके उसी तरह अपना महापौर बनाने का प्रयास करेगी, जिस तरह चंडीगढ़ नगर निगम में उसने किया था! इसके चलते उसने भाजपा की हर गतिविधि पर प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। नतीजा यह हुआ कि तीन बार टलने के बाद अब चौथी बार चुनाव हो भी पाए, तो सर्वोच्च न्यायालय की दखल के बाद। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा की तनातनी किसी से छिपी नहीं है। जब से वर्तमान उपराज्यपाल ने कार्यभार संभाला है, तब से दोनों के रिश्ते लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। उसका असर नगर निगम चुनाव पर भी साफ दिखा। उपराज्यपाल ने बिना सरकार की सलाह के दस सदस्यों का मनोनयन कर दिया। फिर कहा कि ये सदस्य भी महापौर चुनाव में मतदान कर सकते हैं। इसे आम आदमी पार्टी ने संवैधानिक चुनौती दी और दोनों के बीच तल्ख बयानबाजी हुई, जिसे एक सरकार और उपराज्यपाल के बीच मर्यादित नहीं माना जाता। उपराज्यपाल अपने अधिकार क्षेत्र को लेकर अड़े रहे, तो आम आदमी पार्टी सरकार अपने अधिकारों को लेकर। इसी तनातनी में मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा और वहां से फैसला आम आदमी पार्टी के पक्ष में आया। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि मनोनीत सदस्य इस चुनाव में मतदान नहीं कर सकते और उप महापौर का चुनाव महापौर की निगरानी में ही होगा। अदालत ने इसे लेकर कड़ी टिप्पणी भी की थी कि देश की राजधानी के महापौर चुनाव में इस तरह की राजनीतिक धींगामुश्ती हैरान करने वाली है। इस फैसले के बाद स्वाभाविक ही आम आदमी पार्टी की आशंकाएं दूर हो गईं और उसे अपनी जीत सुनिश्चित नजर आने लगी। करीब दस साल बाद दिल्ली में फिर से एक महिला महापौर बनी हैं। वे युवा हैं और उत्साही भी। अपनी जीत के बाद उन्होंने चुनाव के समय किए गए वादों को पूरा करने और दिल्ली के लिए बेहतर काम करने का संकल्प दोहराया। दिल्ली के महापौर को नगर निगम को लेकर कोई फैसला लेने के लिए स्वतंत्र माना जाता है।

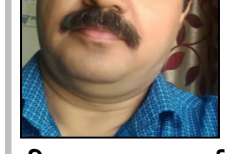

दीपक कुमार शर्मा

आर्थिक तरक्की और युवा स्वाभिमान

भारत में कृषि की प्रकृति यह है कि यहां किसानों को मौसमी रोजगार मिलता है, यानी फसल के बोने और काटने के समय का रोजगार। भारतीय खेती छिपी हुई बेरोजगारी का मर्ज है। नौजवान खेतों में काम करते हैं, लेकिन परिवार की निबल आय में बढ़ोतरी नहीं होती। इसीलिए युवा अब खेती-बाड़ी को अपना पैतृक धंधा नहीं मानते। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है। निस्संदेह यह सफलता उल्लेखनीय है, लेकिन इस युवा देश की लगभग आधी जनसंख्या, जो पैंतीस वर्ष उम्र तक की श्रमशक्ति है, एक बात पूछती है कि देश ने चाहे किसी को भी भूख से न मरने देने की गारंटी दे दी हो, मगर उसने नौजवानों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार प्रदान करने की गारंटी क्यों नहीं दी? बेशक काम तलाशते नौजवानों को धीरज बंधाने के लिए विश्व में कीर्तिमान स्थापित करती रियायती अनाज बांटने की योजना इस साल के अंत तक बढ़ा दी गई है और अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल रहा है। भारत की आर्थिक विकास दर इस समय दुनिया में सबसे अधिक हो गई है और उधर दुनिया रूस और यूक्रेन युद्ध, चीन और ताइवान की तनातनी के बीच अवसादग्रस्त मंदी झेल रही है और उसकी औसत विकास दर दो से तीन प्रतिशत से ऊपर नहीं है। हमारा देश छह प्रतिशत से ऊपर विकास दर दिखा रहा है। सन 2047 का शतकीय महोत्सव मनाने के समय देशवासियों को एक विकसित राष्ट्र में जीने का वादा कर रहा है। मगर सवाल है कि महंगाई नियंत्रण की दर काबू में तो आ गई, सरकार ने कह दिया कि भ्रष्टाचारियों के प्रति कोई ढिलाई नहीं होगी, मगर यह क्यों नहीं बताया जा रहा कि कोरोना काल और उसके बाद की विकट स्थिति में इस समय देश में बेकारी की दर अपना शिखर छू रही है। पहले कभी बेरोजगारी की दर इतनी ऊंचाई तक नहीं गई। नए आंकड़े बता रहे हैं कि ग्रामीणों में बेकारी की दर कुछ कम और शहरी आबादी में अधिक है। भारत में कृषि की प्रकृति यह है कि यहां किसानों को मौसमी रोजगार मिलता है, यानी फसल के बोने और काटने के समय का रोजगार। भारतीय खेती छिपी हुई बेरोजगारी का मर्ज है। नौजवान खेतों में काम करते हैं, लेकिन परिवार की निबल आय में बढ़ोतरी नहीं होती। इसीलिए युवा अब खेती-बाड़ी को अपना पैतृक धंधा नहीं मानते। जीने का अंदाज नहीं मानते। काम या रोजगार की तलाश में उनकी कतारें दूतावासों के बाहर वीजा प्राप्त करने के लिए लगती हैं। वे किसी भी तरह डालर या पौंड देशों में पहुंच कर अपने भाग्य का मिजाज बदल देना चाहते हैं, जिसे वंचित रहने की आदत हो गई है। 'आक्सफैम इंडिया' की ताजा रिपोर्ट बताती है कि तरक्की तो हुई, लेकिन देश में अमीर और गरीब का अंतर भी तेजी से बढ़ा है। इतनी तेजी से बढ़ा कि भारत में सबसे अधिक एक प्रतिशत लोग देश की चालीस प्रतिशत कुल संपदा पर कब्जा जमाए बैठे हैं। महिला सशक्तिकरण की बातें होती हैं, लेकिन 2020 की आक्सफेम रिपोर्ट कहती है कि महिलाओं को दुनिया में सबसे कम रोजगार देने वाले देशों के कोष्ठक में भारत दसवें नंबर पर है। संसद के हर सत्र में हर बात पर हंगामा होता है, कोलाहल होता है। कभी तवांग घाटी में चीनी सैनिकों की धक्कामुक्की पर, जो मानसून सत्र में हुआ। जैसे अब बजट सत्र में अडाणी या हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर हुआ। मगर पूछा जाता है कि वहां और सब चर्चा हो जाती है, लेकिन नौजवानों की बेकारी की समस्या के समाधान पर विशेष चर्चा क्यों नहीं होती? इसके बारे में क्यों यह कह दिया जाता है, जैसा कि इस बजट सत्र में वित्तमंत्री ने भी कहा, कि हम युवाओं को विशिष्ट प्रशिक्षण देंगे और उन्हें नौकरियों के काबिल बनाएंगे। पूछा जा सकता है कि नौकरी के काबिल तो बना देंगे, लेकिन नौकरियां हैं कहां? सालों से कच्ची असामियां पक्की होने के लिए तरस रही हैं और अभी एक राज्य की ओर से यह समाचार आ गया कि मितव्ययिता के लिए खाली असामियों को खत्म ही कर दिया जाएगा, नए असामियों की बात तो छोड़िए। तो फिर कच्ची असामियां पक्की कैसे होंगी? माना गया था कि देश में सूचना तकनीक क्षेत्र में तरक्की होगी। देश डिजिटल हो जाएगा और उसके साथ नौजवानों को भी रोजगार मिलने लगेगा। नई शिक्षा नीति में कहा गया कि इसे रोजगारपरक बनाया जाएगा। अभी इंटरनेट की गति को 5जी तक बढ़ाने की घोषणा भी हो गई, लेकिन नतीजा क्या? आक्सफेम इंडिया की रिपोर्ट ने तो यही बताया कि भारत की कहानी यह है कि अमीर और अमीर होते रहे, गरीबों की विपन्नता बढ़ गई। नई खबर यह है कि 5जी की ताकत बढ़ने के साथ देश के नवनिर्माण के बजाय ठगों के व्यवसाय में वृद्धि हो गई। दुनिया में 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' के साथ उत्पादन को बढ़ावा देने की बात थी, लेकिन भारत की छोड़िए, अमेरिका में ही पिछले माह तकनीकी कंपनियों में बयालीस हजार छंटनियां हो गईं। इसको रोबोटनुमा 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' ने पैदा कर दिया। विसंगति यह कि छंटनी की रिपोर्ट बनाने में भी इसी 'आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस' का योगदान रहा। यह तो गनीमत है कि आइटी में छंटनी बढ़ी तो बीमा, बैंकिंग और वाहन उद्योग जैसे क्षेत्रों में भर्तियों की गुंजाइश बढ़ गई। बीमा में तिरानबे प्रतिशत भर्ती बढ़ी, तेल में छप्पन प्रतिशत, सेवा में तिरपन प्रतिशत, सोना-जवाहरात में तिरालीस प्रतिशत और बैंकिंग में सैंतीस प्रतिशत। संपदा निर्माण में इकतीस प्रतिशत नौकरियां बढ़ गईं। मगर ध्यान दीजिए, ये सभी लाभ मध्यवर्ग को हो रहे हैं। देश का मजदूर और किसान कहां नौकरी तलाश करे? यह सही है कि इस बजट में वित्तमंत्री ने प्रशिक्षण के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है, मगर दूसरी ओर वरिष्ठ पेशेवरों की मांग भी उनतीस प्रतिशत बढ़ गई है। एक और बात, नौकरियां देने में गैर-मैट्रो शहर आगे-आगे हैं। सरकार तो कहती है कि रोजगार क्षेत्र में मजबूती बनी हुई है और यह मजबूती आइटी क्षेत्र की नियुक्तियों में पच्चीस प्रतिशत गिरावट के बावजूद दर्ज हुई है। मगर यह मजबूती या वृद्धि मात्र दो प्रतिशत है। वैसे टेलीकाम, खुदरा या दवा कारोबार क्षेत्र की खबर यह है कि जनवरी में नियुक्तियों में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत, आठ प्रतिशत और चार प्रतिशत की कमी आई है। अगर नौकरियों की इस जटिल समस्या पर विशद चर्चा होती, तो ये नतीजे बाहर आ जाते। अब जब ये सत्य सर्वेक्षण जाहिर कर रहे हैं तो क्या जरूरी नहीं है कि देश में युवा पीढ़ी को नौकरियां देने के लिए काम का ढंग बदला जाए? कोविड महामारी में बहुत से नौजवान उखड़ कर अपने ग्रामीण परिवेश में चले गए हैं। उन्हें वहां से फिर महानगरों में नौकरियों की ओर आने की प्रेरणा देने के बजाय अगर लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर सहकारिता की भावना पैदा करके उनके अपने स्टार्टअप उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए तो निश्चय ही बेकारी की यह समस्या हल हो जाएगी। बेकारी की समस्या का फिलहाल यही हल नजर आता है कि नौजवान नौकरियां तलाशने के बजाय नौकरियां देने वाले बनें। कहा जा रहा है कि देश का सरकारी और निजी क्षेत्र अधिक से अधिक तीस प्रतिशत युवाओं को रोजगार दे सकता है। शेष सत्तर प्रतिशत नौजवान अगर लकीर से हटकर नए उद्योगों की ओर रुख करें और ऐसे रोजगार प्रदान करने का एक स्वतःस्फूर्त उद्योग जगत बना दें, जिसमें नौकरियां तलाशने वाले हाथ न फैलाएं, रोजगार दफ्तरों के द्वार न खटखटाएं। अपने विशिष्ट प्रशिक्षण के साथ उदार साख नीति की सहायता से आत्मनिर्भर होकर देश के नवनिर्माण की ओर जुटें। इसके लिए शायद न केवल भाग्यनियंताओं को अपनी दृष्टि बदलने की जरूरत है, बल्कि युवा पीढ़ी को एक यथार्थवादी धरातल देने की भी है, जहां वे स्वावलंबी हो सकें।

सुविधा और सावधानी

आज तकनीक की रफ्तार इस कदर तेज और इसका दायरा इतना बड़ा है कि न केवल वक्त के लिहाज से, बल्कि बहुस्तरीय सुविधाओं के मद्देनजर भी यह आम जनजीवन का हिस्सा बनता जा रहा है। यों लगभग सभी क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकी रोज नई ऊंचाई हासिल कर रही है, लेकिन खासतौर पर आर्थिक गतिविधियों में डिजिटल प्रणाली ने व्यापक पैमाने पर अपनी स्वीकार्यता बनाई है। यह बेवजह नहीं है कि आज भारी संख्या में लोग पैसों के लेनदेन के मामले में नगद पर निर्भर रहने के बजाय यूपीआइ जैसी डिजिटल सुविधा की ओर रुख करने लगे हैं। शायद इसी के मद्देनजर सरकार भी इस संदर्भ में एक तरह से स्पष्ट नीति पर चल रही है। गौरतलब है कि मंगलवार को प्रधानमंत्री ने 'यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस' यानी यूपीआइ को भारत की सबसे पसंदीदा भुगतान प्रणाली बताया और कहा कि यह जल्दी ही नगदी लेनदेन को पीछे छोड़ देगी। दरअसल, भारत की 'यूपीआइ' और सिंगापुर की 'पे नाऊ' प्रणाली के बीच संपर्क सुविधा की शुरुआत की गई है, जो दोनों देशों की त्वरित भुगतान प्रणाली को मोबाइल ऐप के माध्यम से सुविधाजनक, सुरक्षित, तेज गति से और सीमा पार धन हस्तांतरण में सक्षम बनाएगी। इस सुविधा का सबसे बड़ा लाभ है कि अब भारत और सिंगापुर के लोग अपने मोबाइल फोन से उसी प्रकार धन का हस्तांतरण कर पाएंगे, जैसे वे अपने-अपने देशों में अभी करते हैं। आधुनिकी तकनीकी और इंटरनेट की दुनिया में व्यापक उपलब्धियों के दौर में यह स्वाभाविक ही है कि इसका उन क्षेत्रों में भी बेहतर सदुपयोग हो, जो किसी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिहाज से अहम माने जाते हैं। किसी भी देश में आर्थिक गतिविधियों में आम लोगों की भागीदारी मुख्य रूप से अपनी जरूरतों के संदर्भ में लेनदेन के रूप में होती है। अब तक यह व्यवस्था नकद भुगतान के रूप में कायम रही है और लोग इसी के अभ्यस्त रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में जब से इस क्षेत्र में डिजिटल माध्यम का विस्तार हुआ है, उसके बाद धीरे-धीरे सही, लेकिन बड़ी तादाद में लोग खरीद-बिक्री या फिर अन्य जरूरतों के मामले में पैसे के लेनदेन के लिए आनलाइन माध्यमों या मुख्य रूप से यूपीआइ का उपयोग करने लगे हैं। हाल ही में आए एक आंकड़े के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में पंजीकृत यूपीआइ लेनदेन पैंतालीस बिलियन रहा, जो पिछले तीन सालों में आठ गुना और पिछले चार सालों में पचास गुना बढ़ोतरी को दर्शाता है। जाहिर है, वक्त के साथ बदलते दौर और आधुनिक तकनीकी से लैस होती व्यवस्था में लोगों की भागीदारी बढ़ रही है। इसे सकारात्मक बदलाव कहा जा सकता है। लेकिन हकीकत यह भी है कि डिजिटलीकरण के समांतर साइबर अपराधों का जोखिम भी बढ़ा है। आए दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें पैसों के भुगतान या लेनदेन में कोई गड़बड़ी हो जाती है। अगर किसी व्यक्ति से खुद कोई चूक हो जाती है तो यह किसी तकनीक के उपयोग में उसके प्रशिक्षण में कमी का मामला हो सकता है। लेकिन सच यह भी है कि बहुत सारे लोग संगठित साइबर अपराधों का शिकार हो रहे हैं। इसमें लोगों की लापरवाही, असावधानी, कम जानकारी या फिर मोबाइल आदि संबंधित तकनीक और इंटरनेट के असुरक्षित होने जैसी वजहें हो सकती हैं। हालत यह है कि कई बार किसी संस्थान में इंटरनेट पर आधारित बेहद सुरक्षित माने जाने वाली व्यवस्था में भी साइबर हमला करने वालों ने सेंधमारी की और उसे भारी नुकसान पहुंचाया। ऐसी स्थिति में नगदी के लेनदेन की बढ़ती रफ्तार डिजिटल दुनिया के विस्तार का सूचक जरूर है, लेकिन इसे साइबर अपराधियों से पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लिए भी चाकचौबंद व्यवस्था की जानी चाहिए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक दीपक कुमार शर्मा द्वारा जॉय प्रिंटर्स प्लॉट नं 3जी -142, एनआईटी फरीदाबाद से मुद्रित एवं 903 सैक्टर-8, फरीदाबाद 121006 (हरियाणा) से प्रकाशित।
संपादक- दीपक कुमार शर्मा
RNI No. HARBIL/2016/74676
Mob. 8527791656, 9899222656,

संक्षिप्त समाचार

मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी एकदम गलत, केन्द्र सरकार के इशारे पर काम कर रही हैं एजेंसियां: वीना वशिष्ठ

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। सरफरोसी की तमन्ना अब हमारे दिल में है देखना है जोर कितना बाजूए कातिल में है जी हां ये कहना है हरियाणा प्रदेश की आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपाध्यक्ष (दक्षिण हरियाणा जोन) वीना वशिष्ठ का।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी पर वीना वशिष्ठ का कहना है कि मनीष सिसोदिया बेकसूर हैं। उन्होंने बताया कि उन पर लगे सारे आरोप बेबुनियाद हैं और ये सब भाजपा का षड्यंत्र है , यह भाजपा की हताशा है । उन्होंने बताया कि मनीष सिसोदिया ईमानदार और संघर्ष शील नेता हैं। उन्होंने दिल्ली में सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया है। आप नेता वीना वशिष्ठ ने कहा कि राजनीतिक फायदे के लिए भाजपा ये सब कुछ कर रही है। उन्होंने बताया कि हम सभी इस अवसर पर पार्टी और मनीष सिसोदिया के साथ हैं ।

सामान नीलामी के लिए वर्ष 2022-23 की खुली बोली के टेंडर जिला कारागार फरीदाबाद के कार्यालय में 07 मार्च को: जेल अधीक्षक जय किशन छिल्लर

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। जेल अधीक्षक जय किशन छिल्लर ने कहा कि जिला जेल फरीदाबाद में वर्ष 2010 से अभी तक विभिन्न प्रकार का टूटा फूटा लोहा व प्लास्टिक का सामान नीलामी के लिए वर्ष 2022-23 की खुली बोली के टेंडर जिला कारागार के कार्यालय में 07-03-2023 को प्रातः 11.30 बजे होगा। उन्होंने सभी इच्छुक ठेकेदारो से अनुरोध किया है कि निर्धारित तिथि व समय पर पहुंच कर टेंडर के लिए बोली देवें। टेंडर की शर्तें इस प्रकार है। बोलीदाता को अपने टेंडर के लिए 10000 /- रुपये बतौर धरोहर राशी अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा करवानी होंगी, जो स्वीकृत ठेकेदार को छोड़कर अन्य बोलीदाताओं को मौके पर वापिस कर दी जायेगी। वहीं अधीक्षक जेल को यह अधिकार होगा कि वह बिना कारण बताए किसी भी नीलामी को स्वीकृत या अस्वीकृत कर सकता है। टेंडर में उत्पन्न किसी भी प्रकार के झगड़े या व्यवधान का निपटारा स्थानीय न्यायालय में होगा। कबाड़ को उठाने के लिए अपना वाहन लेकर आयेगा व समय पर कबाड़ को उठायेगा।

उद्योगों के लिए मूलभूत जरूरतों को पूरा करने का किया जाएगा हर संभव प्रयास : डीसी विक्रम सिंह

प्रशासनिक अधिकारियों और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ किए समस्याओं के सुझाव भी किए साझा

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि फरीदाबाद में उद्योगों के लिए मूलभूत जरूरतों को पूरा करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों, बिजली आपूर्ति , पानी, बिजली मैन्टीनेन्स, सीवरेज व्यवस्था और सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटो व बिजली के बिलों सहित तमाम समस्याओं का एक एक करके अधिकारियों और औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर आपसी तालमेल करके निश्चित तौर पर समाधान किया जाएगा। डीसी विक्रम सिंह गत सायं फरीदाबाद औद्योगिक एसोसिएशन/ एफआईए हाल में प्रशासनिक अधिकारियों और विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ आयोजित समस्याओं को दूर करने के लिए कान्फ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों के साथ समस्याओं के सुझाव भी साझा किए गए। वहीं डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि फरीदाबाद औद्योगिक क्षेत्र प्रदेश का बड़ा हब इसकी समस्याएं प्रशासन और उद्योगपति सकारात्मक सोच के साथ आपसी सहमति से सलाह मशविरा करके दूर करेंगे। यदि कोई इशू उद्योगपतियों का है तो वह आपस में सुझाव साझा करके उसे दूर करेंगे। डीसी विक्रम सिंह ने विभागवार अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के लिए जिम्मेदारी भी तय की। एमएसएमई के संयुक्त निदेशक दिग्विजय सिंह ने जिला प्रशासन की तरफ से कॉन्फ्रेंस में आए हुए विभिन्न विभागों के अधिकारियों व उद्योगपतियों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार ने आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में औद्योगिक क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान के लिए फ्लैक्सिबल स्कीम दी है। इस स्कीम का उद्योगपति अधिक से अधिक फायदा उठाएं। वहीं औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों की तरफ से फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि देश में आजादी के अमृत महोत्सव के 75 साल के बाद भी बिजली, पानी, सड़कों के हालात सुदृढ़ नहीं हुए हैं। इसके लिए हमें पॉलिसी मैटर पर बेहतर क्रियान्वयन के लिए सरकार के साथ आपसी सहमति से विचार विमर्श करने की जरूरत है। हमें अपनी सोच में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। कॉन्फ्रेंस में औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारियों में रवि वासुदेवा, अजय जुनेजा, एफआईए के पूर्व चेयरमैन जीएल दहिया सहित अन्य औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सुझाव सांझे किए। वहीं एफआईए के जनरल सेक्रेटरी जसमीत ने अंत में एफआईए की तरफ सभी आभार व्यक्त किया। कॉन्फ्रेंस में सीटीएम अमित मान, एसइयूटी सोनू भट्ट, एचएसआईडीसी के जिला अधिकारी विकास चौधरी, सहायक मण्डल अग्निशमन अधिकारी सत्यवान सामरीवाल, एमसीएफ, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम व एचएसवीपी के कार्यकारी अभियंताओ सहित फरीदाबाद औद्योगिक संगठनों के पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

बेहतर कल के लिए अच्छे बीज बोएं स्कूल प्रबंधक: राजेश नागर

रयान इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक उत्सव में बोले विधायक राजेश नागर

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजेश नागर ने सेक्टर 21बी स्थित रयान इंटरनेशनल स्कूल के वार्षिक समारोह में शिरकत कर बच्चों और शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन बेहतर कल के लिए आज अच्छे बीज बाएं ताकि हम एक अच्छे देश का निर्माण कर सकें। इस अवसर पर विधायक सीमा त्रिखा एवं स्कूल के अध्यक्ष डॉ ए एफ पिंटो प्रमुख रूप से मौजूद रहे। विधायक नागर ने कहा कि एक देश का भविष्य उसके नागरिक बनाते हैं और एक नागरिक का निर्माण करने में एक स्कूल का महत्वपूर्ण किरदार होता है। एक स्कूल ऐसे नागरिक निर्मित करता है जिनका असर आने वाले दशकों तक और पीढ़ियों तक होता है। नागर ने कहा कि रयान इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षा का स्तर श्रेष्ठता के पैमाने का छूता है और हम उनको उत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए बधाई देते हैं। विधायक राजेश नागर ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नाम कमा रहे स्कूल के पूर्व छात्रों को भी बधाई दी। स्कूल के वार्षिक उत्सव की थीम बेहतर कल के लिए अच्छे बीज बोएं रखी गई थी। इस अवसर पर स्कूल के किंडरगार्डन के छात्रों ने भव्य कार्यक्रमों के जरिए आनंद भर दिया जिससे सभी के चेहरे खुशी से खिल उठे। उत्सव में नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा जुम्बा नृत्य प्रस्तुति को सभी ने सराहा वहीं प्राथमिक कक्षा के विद्यार्थियों ने भी हया हया और आशाएं नृत्य प्रस्तुत कर सभी की वाहवाही प्राप्त की। इस अवसर पर बाइबिल पाठ, प्रार्थना, ईश्वर स्तुति और पूजा गीतों के माध्यम से कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। स्कूल की प्रिंसिपल निशा शर्मा ने कहा कि उनका संस्थान शिक्षा में उत्कृष्टता के आदर्श वाक्य पर पूरी तरह से भरोसा करता है और उसे फलीभूत करता है। कार्यक्रम में हेप्पीनेस कोच पूजा गुप्ता, ब्रिगेडियर गांगुली, मॉडल और मिसेज इंडिया निधि नंदराजोग, लेखक डॉ मनजीत लेघा, अन्वेषा मित्रा संस्थापक द ब्रांड, कहानीकार अभय कौशिक, सामाजिक कार्यकर्ता शिखा त्यागी, रितु मोहंती, अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो जितेंद्र सिंह, एसीपी राजकुमार भारद्वाज, स्टर्लिंग ताइक्वांडो अध्यक्ष रेखा सिंह, आईएमए अध्यक्ष डॉ पुनीता हसीजा, रेड क्रॉस सचिव बिजेंद्र सौरोंत, कविता ठाकुर, संदीप, अमन बाथला, प्रिंसिपल एटीडीसी नीतू कपूर, झांसी क्रिस्टोफर, पूर्व छात्र सिल्विया चड्ढा, नर्तक गायक अनुपम धोनचक, क्रिकेटर आराध्या यादव, वासु रैना, आदि प्रमुख हस्तियों के बीच यह समारोह संपन्न हुआ।

दानवीर सम्मान से सम्मानित सुरेन्द्र शर्मा बबली

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। पलवल ब्राह्मण सभा द्वारा आयोजित होली मिलन व सम्मान समारोह ब्राह्मण धर्मशाला पलवल मे आयोजित किया गया आयोजन मे जिन दान दाताओं ने ब्राह्मण धर्मशाला निर्माण मे दान दिया था उन सभी को सम्मानित किया गया इसी कडी मे पं सुरेन्द्र शर्मा बबली राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा को दानवीर अवार्ड से सम्मानित किया इस सम्मान के लिए पं सुरेन्द्र शर्मा बबली ब्राह्मण सभा पलवल का आभार प्रकट किया और कहा सनातन परम्परा दान पुण्य का बहुत महत्व है सभी अवश्य दान करना चाहिए इस अवसर पर पं अमन भारद्वाज पं हेतराम पं शम्भु पहलवान पं तुहीराम पं इन्द्रपाल पं त्रिलोक पं केडी भारद्वाज पं मोतीराम पं गिर्राज पं विनोद पं गोविन्द पं विरेन्द्र पं रवि पं इन्द्रजीत पं साहिल पं अनुराग सहित अन्य उपस्थित रहे।

बिजली कटने के फेक मैसेज के लिंक को न करें क्लिक : अमित खत्री

अपने बिजली बिल ऑनलाइन भुगतान केवल बिजली निगम की वेबसाइट से करें epayment.dhbvn.org.in

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक अमित खत्री ने सभी बिजली उपभोक्ताओं को ठगों से सावधान रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि यदि किसी बिजली उपभोक्ता को मैसेज आता है कि 'बिजली बिल जमा करें, अन्यथा कुछ घंटों में आपका बिजली कनेक्शन काट दिया जाएगा' तो सतर्क रहें। इस तरह के लिंक को क्लिक न करें और साइबर अपराधों से सावधान रहें। ऐसे फेक संदेश में उपभोक्ता की खाता संख्या और बकाया राशि नहीं लिखी होती है। उन्होंने बताया कि साइबर ठग उपभोक्ताओं को ठगने के लिए प्रतिदिन नए नए तरीके अपना रहे हैं। इन दिनों साइबर ठगों द्वारा लोगों को नए तरीके से फांसने की कोशिशों के तहत बहुत से बिजली उपभोक्ताओं के पास मोबाइल पर एक मैसेज आ रहा है कि आपका बिजली का बिल बकाया है और इस एवज में आपका कनेक्शन काट दिया जाएगा। इतना ही नहीं बाकायदा कनेक्शन काटने का समय भी बताया जा रहा है कि आज रात कनेक्शन कटेगा। बाद में एक नंबर भेजा जा रहा है और उस पर बात करने की सलाह दी जा रही है। काफी उपभोक्ता मैसेज में दिए

● उन्होंने बताया कि यदि फिर भी किन्ही कारणों से किसी के साथ किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होती है तो आप सबसे पहले साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें और अपनी शिकायत को साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज करें।

गए नंबर पर कॉल करके पूछते हैं कि ऐसा क्यों होगा तो बात करने पर ठगी का पता चलता है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम इस तरह का कोई भी मैसेज उपभोक्ता को नहीं भेजता है। निगम किसी को भी बिजली कनेक्शन काटने की चेतावनी नहीं देता है और किसी भी नम्बर पर संपर्क करने को नहीं कहता है। उन्होंने कहा कि यदि किसी बिजली उपभोक्ता का बिल बकाया है और उसे इस प्रकार का संदेश प्राप्त होता है तो वे सतर्कता बरतें और बिजली कटने के अनजान एवं फ़र्ज़ी मैसेज के लिंक को क्लिक न करें और अपनी बैंक, कार्ड डिटेल, ओटीपी आदि किसी के साथ भी शेयर न करें। स्वयं सतर्क रहें और अपने संपर्क में आने वालों को भी जागरूक करें।

श्री खत्री ने बताया कि बिजली निगम द्वारा बिल के बनते ही उपभोक्ता को ईमेल पर बिल और रजिस्टर्ड मोबाइल पर मैसेज भेजा जाता है। बिल भरने की तिथि से पहले और बाद में उसके बिल बकाया होने के बारे में मैसेज देता है। बिजली निगम के मैसेज में उपभोक्ता का खाता नंबर और बकाया राशि भी लिखी होती है। यह सभी मैसेज अधिकृत आईडी -डीएचबीवीएनएल द्वारा प्रेषित किए जाते हैं। उपभोक्ता को अपने बिल ऑनलाइन देखने और ऑनलाइन भुगतान के लिए epayment.dhbvn.org.in दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की वेबसाइट पर जाने की सलाह दी जाती है। इसके बाद भी यदि किसी बिजली उपभोक्ता को अपने बिजली बिल को लेकर कोई संशय है तो वे अपने नजदीकी बिजली कार्यालय या बिजली विभाग के टोल फ्री नंबर 1800-180-4334 पर संपर्क कर सकता है।

51 वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

बल्लभगढ। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में अग्रवाल महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्ण कांत गुप्ता के संरक्षण में 51वीं वार्षिक एथलेटिक मीट प्रतियोगिता का विधिवत रूप से समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। दिनांक 24.02.2023 को आरंभ हुए इस एथलेटिक मीट के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री त्रिलोक चंद (एसश्रडीश्एमश्, बल्लबगढ़), अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्ण कांत गुप्ता उपस्थित रहे । पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य डॉश कृष्ण कांत गुप्ता ने सभी विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास के द्वारा ही जीत निश्चित है। उन्होंने अन्य खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जिंदगी के सफर में अभी अनेक पड़ावों से गुजरना है, आवश्यकता है कि जीत की तैयारी अभी से शुरू कर दी जाए। खिलाड़ी होना ही बड़ी बात है और खिलाड़ी ही सर्वाधिक बलिष्ठ होता है। दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन छात्र वर्ग और छात्रा वर्ग के रूप में अलग-अलग चरणों में संपन्न कराया गया जिसमें कुल 25 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्र वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर,1500 मीटर, 5 किलोमीटर,10 किलोमीटर की रेस के साथ, शॉट पुट, हाई जम्प, हैमर(हथौड़ा)थ्रो, जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, लम्बी कूद तथा छात्रा वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर,1500 मीटर, 3 किलोमीटर की रेस के साथ-साथ शॉट पुट, लम्बी कूद, जेवलिन थ्रो, हैमर(हथौड़ा)थ्रो, डिसकस थ्रो, ऊँची कूद का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले सभी विद्यार्थियों को प्राचार्य महोदय ने प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ0 केश्एलश् कौशिक, डॉश अजित यादव और डॉ0 जयपाल सिंह निर्णायक मंडल के रूप में उपस्थित रहे। शारीरिक शिक्षक श्री नंदकिशोर, डॉ0 जगबीर सिंह और श्री मोहित हुड्डा के कुशल निर्देशन निर्देशन में सभी खेलकूद प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ0 सुप्रिया ढांडा ने किया। स्व-वित्तिय संस्थान के प्रभारी डॉ0 संजीव गुप्ता ने सभी प्रवक्ताओं एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। छात्र वर्ग में रणधीर तथा छात्रा वर्ग में रीता को सर्वश्रेष्ठ एथलीट चुना गया। आज 25 फरवरी, 2023 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में आयोजित %जीवन जीने की राह% पर 4 दिवसीय (22-25 फरवरी) कार्यशाला का समापन समारोह हुआ। यह कार्यशाला 22 फरवरी को %नेचुरोपैथी- संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए एक समग्र विज्ञान% विषय के साथ शुरू हुई, जिसकी मुख्यवक्ता थी डॉश विजाता आर्य, योग और प्राकृतिक चिकित्सा। दूसरे दिन का विषय आचार्य हरदीप सिवाच, योगाचार्य, आध्यात्मिक चिकित्सक, रेकी मास्टर, सम्मोहन चिकित्सक द्वारा %ध्यान के पांच आयाम% रहे, जिन्होंने तीसरे दिन 24 फरवरी को %सात चक्र उपचार% के बारे में भी बताया। इस कार्यशाला का समापन 25 फरवरी 2023 (दिन 4) को %दैनिक जीवन में प्राण और प्राणायाम की उपयोगिता% विषय के साथ हुआ। दिन के मुख्यवक्ता डॉ. सोमवीर आर्य, निदेशक, भारतीय संस्कृति दूतावास, भारतीय सूरीनाम, दक्षिण अमेरिका (विदेश मंत्रालय के अधीन) रहे। उन्होंने कहा आज व्यक्ति शारीरिक और आध्यात्मिक दोनों तरह से अपने स्वास्थ्य के लिए समय नहीं निकाल पाता है इसलिए योग की महत्वता बढ़ जाती है । उन्होंने आज के तनावपूर्ण समय में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन के लिए बुनियादी योग आसनों के बारे में बताया।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित क्राइम ब्रांच सेक्टर 48 की टीम ने किया गिरफ्तार

● आरोपियों ने मोटरसाइकिल को गुड़गांव से किया था चोरी ● आरोपियों पर पूर्व में चोरी व स्नैचिंग के करीब 5 मामले दर्ज

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। डीसीपी क्राइम श्री मुकेश मल्होत्रा के द्वारा आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए आपराधिक मामलों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के दिए गए दिशानिर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 48 प्रभारी की टीम ने चोरी व स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बिलाल उर्फ बिल्ला और मुस्ताक का नाम शामिल है। दोनों आरोपी फरीदाबाद के सेक्टर 56 आशियाना फ्लैट्स के रहने वाले हैं। क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपियों को अपने सूत्रों से प्राप्त सूचना से फरीदाबाद के सेक्टर 56 कि कलंदरा कॉलोनी से चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने पूर्व में चोरी व स्नैचिंग की 4/5 वारदातों को अंजाम दे रखा है। दोनों आरोपी पूर्व में एक साथ चोरी के मामले में जेल जा चुके हैं। बिलाल ने पूर्व में अपने अन्य साथी के

साथ मिलकर एक चैन लॉकेट स्नैचिंग की वारदात को दिसंबर में अंजाम दिया था। आरोपी मुस्ताक को पूछताछ के बाद जेल भेजा गया है। आरोपी बिलाल को पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

गवर्नमेंट स्कूल मिर्जापुर में महिला थाना बल्लभगढ़ की टीम ने छात्राओं और अध्यापकों को साइबर अपराधों के बारे में किया जागरूक

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त श्री विकास कुमार अरोड़ा के द्वारा साइबर अपराध को लेकर लोगो को जागरुक करने के दिए गए दिशा निर्देश के तहत कार्रवाई करते हुए गवर्नमेंट स्कूल मिर्जापुर में महिला थाना बल्लभगढ़ की टीम ने छात्राओं और अध्यापकों को साइबर अपराधों के बारे में जागरूक किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि पुलिस आमजन को लगातार साइबर अपराध तथा उससे बचने के तरीकों के बारे में जागरूक कर रही है। इसी के अंतर्गत साइबर अपराध थाना एनआईटी प्रभारी इंस्पेक्टर इंदु बाला ने गवर्नमेंट स्कूल मिर्जापुर में महिला थाना बल्लभगढ़ की टीम ने छात्राओं और अध्यापकों को साइबर अपराधों के बारे में पहुंचकर वहां पर मौजूद शिक्षक तथा छात्राओं को साइबर अपराध के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें इससे बचने के तरीकों के बारे में अवगत करवाया। स्कूल प्रिंसिपल द्वारा पूरी पुलिस टीम का भव्य स्वागत किया गया और छात्रों को साइबर अपराध के बारे में जागरूक करने के लिए स्टेज पर आमंत्रित किया जहां साइबर अपराधों के बारे में जागरूक करते हुए इंस्पेक्टर इन्दु बाला ने बताया कि जब आप सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा एक्टिव रहते हैं तो यह अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति आपके द्वारा अपलोड की गई जानकारी का गलत फायदा उठाकर अपने लालच के लिए उसका गलत उपयोग करते हैं। आजकल फेसबुक व्हाट्सएप या अन्य बहुत सारी सोशल साइट्स पर वीडियो कॉल स्कैम चल रहा है जिसमें कोई लड़का या लड़की आपको अश्लील वीडियो कॉल करने का ऑफर देते हैं जिसके झांसे में आकर कुछ युवा उनके साथ अश्लील वीडियो कॉल पर बात कर लेते हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के डिवाइडर पर पौधों की सिंचाई पाइपलाइन से होगी

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के डिवाइडर पर फूलों के पौधे लगाए जा रहे हैं। इन पौधों की सिंचाई पानी टैंकर के बजाय पाइपलाइन से की जाएगी। इसके लिए डिवाइडर पर पाइपलाइन बिछाई जा रही है। वहीं एक्सप्रेसवे के दोनों तरफ भी अन्य पौधे लगाने की तैयारी है, ताकि एक्सप्रेसवे हरा-भरा नजर आएगा। दिल्ली आगरा हाईवे के डिवाइडर और सर्विस सड़क पर जगह-जगह पौधे लगे हुए हैं। एनएचएआई(नेशनल हाईवे अथोरिटी ऑफ इंडिया) इन पौधों में टैंकर की मदद से पानी देता है। इससे पौधों में पानी तो लग जाता है, लेकिन हाईवे पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार थम जाती है। तेज रफ्तार वाहनों के टकराने का खतरा भी बना रहता है। दिल्ली-आगरा हाईवे के मुकाबले दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ज्यादा तेज रफ्तार से वाहन दौड़ेंगे। वाहनों की रफ्तार तेज होने के कारण पौधों में पानी देते समय टैंकर से वाहनों के टकराने का खतरा बना रहेगा। इसे देखते हुए एनएचएआई ने पौधों में पानी देने के लिए डिवाइडर पर पाइप लाइन बिछा रहा है। इस पाइप लाइन से पौधों में आसानी से पानी दिया जा सकेगा। पानी देने के लिए समर्सिबल भी लगाए गए हैं। करीब दो किलोमीटर तक एक समर्सिबल से पानी दिया जा सकेगा। डिवाइडर पर फूलों के पौधे लगाए जा रहे हैं। वाहन चालकों को फूलों के पौधों से एक्सप्रेसवे का नजारा सुंदर दिखाई देगा। यही नहीं कुछ अरसे बाद एक्सप्रेसवे के दोनों ओर पौधे लगाए जाएंगे। इससे एक्सप्रेसवे के दोनों ओर का नजारा हरा-भरा नजर आएगा। यहां लगाए गए पौधे जब पेड़ बन जाएंगे तो प्रदूषण का स्तर भी कम करने में मदद करेंगे।

'ना सीबीआई से डरते, ना ईडी से : मनीष सिसोदिया

सिसोदिया से सीबीआई की पूछताछ , बाहर प्रदर्शन कर रहे कई आप नेता पुलिस हिरासत में

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के डिप्टी सीएम और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने सीबीआई हेडक्वार्टर में पूछताछ के लिए जाने से पहले राजघाट पर महात्मा गांधी को नमन किया। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों से इमोशनल अपील की। सिसोदिया ने कहा कि ये मत समझना अगर मनीष चाचा जेल गए तो स्कूलों की छुट्टी होने वाली है। मुझे अगर पता चला कि आप पढ़ाई में लापरवाही कर रहे हैं तो मैं उस दिन खाना नहीं खाऊंगा। सिसोदिया ने कहा, "स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों से मुझे बहुत प्यार है। ये मत समझना आपके शिक्षा मंत्री सिसोदिया, मनीष चाचा जेल गए तो बस छुट्टी होने वाली है। अभी छुट्टी नहीं होने वाली है। मैं बच्चों से कहना चाहता हूं कि इतनी मेहनत करना जितनी मैं अपेक्षा करता हूं और जितने की जरूरत है। खूब मन लगाकर पढ़ना। लाखों बच्चों के ऊपर देश का भविष्य है।" डिप्टी सीएम ने बच्चों से कहा कि माता पिता को परेशान मत करना, खूब जी लगाकर पढाई करना। अगर मुझे पता चला। देखो मैं जेल भले ही चला जाऊंगा, लेकिन वहां मुझे सारी खबर मिलेगी कि बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं कि नहीं, स्कूल ठीक चल रहा कि नहीं। अगर मुझे पता चला कि मेरे बच्चों ने पढ़ाई में लापरवाही शुरू कर दी तो मुझे खराब लगेगा, जिस दिन मुझे पता चला उस दिन मैं कुछ नहीं खाऊंगा। बच्चों मेरे जेल जाने पर भी पढ़ाई अच्छे से करनी है। स्कूलों का नाम नीचे नहीं करना। मां-बाप का नाम नीचे नहीं करना। मुझे पता है कि आप लोग मुझे तकलीफ नहीं देना चाहोगे कि मैं खाना छोड़ दूं।

सिसोदिया बोले- परिवार का ख्याल रखें

● वहीं इस दौरान सिसोदिया ने कहा कि उनकी जिंदगी में कई तरह के उतार-चढ़ाव आए। इनमें मेरी वाइफ ने बहुत साथ दिया। आज जब मुझे जेल भेजा रहा है। मेरी वाइफ घर पर अकेली हैं। वो बहुत बीमार हैं, मेरा बेटा यूनिवर्सिटी में पढता है। आपको ख्याल रखना है उनका। वहीं आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वो मनीष के परिवार का ख्याल रखेंगे।

सिसोदिया की गिरफ्तारी का विरोध कर रही आप

● बता दें कि केंद्रीय जांच एजेंसी मनीष सिसोदिया से दिल्ली शराब घोटाले में पूछताछ कर रही है। अरविंद केजरीवाल समेत कई नेताओं ने मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी की आशंका जताई है। इसी को लेकर सिसोदिया आज सुबह राजघाट पहुंचे और यहां गांधीजी को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित किया। आम आदमी पार्टी सिसोदिया की गिरफ्तारी का विरोध कर रही है।

अरुणाचल से गुजरात तक भारत जोड़ो यात्रा निकालेगी कांग्रेस

राहुल गांधी बोले- 52 साल से हमारे पास अपना घर नहीं है, भावुक हुईं सोनिया

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चल रहे कांग्रेस के 85वें अधिवेशन के तीसरे और आखिरी दिन कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा- पार्टी अरुणाचल प्रदेश से गुजरात तक भारत जोड़ो यात्रा निकालने का विचार कर रहे हैं। वहीं, राहुल गांधी ने 32 मिनट की स्पीच दी। राहुल ने भाषण में भारत जोड़ो यात्रा, अडाणी हिंडनबर्ग केस, चीन पर जयशंकर के बयान और 2024 लोकसभा चुनाव समेत कई मुद्दों पर बात की। राहुल ने अपने भाषण में 1977 का किस्सा भी सुनाया, जिसमें उन्हें पहली बार अहसास हुआ था कि उनके पास अपना घर नहीं है। उन्होंने कहा- 52 साल हो गए, मेरे पास आज भी अपना घर नहीं है। उनकी बातें सुनकर सोनिया गांधी भावुक नजर आईं।

जब गले लगता था तो ट्रांसमिशन सा होता था

● राहुल गांधी ने कहा, '4 महीने कन्याकुमारी से श्रीनगर तक भारत जोड़ो यात्रा हमने की। वीडियो में आपने मेरा चेहरा देखा, लेकिन हमारे साथ लाखों लोग चले। बारिश, गर्मी और बर्फ में हम सब एक साथ चले। बहुत कुछ सीखने को मिला। आपने देखा हो कि पंजाब में एक मैकेनिक आकर मुझसे मिला। मैंने उसके हाथ पकड़े और सालों की उसकी तपस्या, उसका दर्द और दुख मैंने पहचान लिया। लाखों किसानों के साथ जैसे ही हाथ मिलाता था, गले लगता था एक ट्रांसमिशन सा हो जाता था। शुरूआत में बोलने की जरूरत होती थी कि क्या करते हो, कितने बच्चे हैं, क्या मुश्किलें हैं। एक-डेढ़ महीना ये चला और उसके बाद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती थी। जैसे ही हाथ पकड़ा, गले लगे उनका दर्द एक सेकेंड में समझ आ जाता था। जो मैं उनसे कहना चाहता था, बिना कुछ बोले वो समझ जाते थे।'

10-15 दिन में अहंकार और घमंड गायब हो गया

● राहुल गांधी ने कहा- सुबह उठकर सोचता था कैसे चला जाए। उसके बाद सोचता था कि 25 किलोमीटर नहीं 3 हजार 500 किलोमीटर चलना है, कैसे चलूंगा। फिर कंटेनर से उतरता था चल देता था। लोगों से मिलता था। पहले 10-15 दिन में अहंकार और घमंड गायब हो गया। क्यों गायब हुआ।

डंपर में फंसी स्कूटी, मासूम को 2 किलोमीटर तक घसीटा, सड़क पर चिंगारियां उठती रहीं

लोग चिल्लाते रहे, रुका नहीं; दादा-पोते की मौत

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा में एक दिलदहला देने वाले सड़क हादसे में दादा-पोते की मौत हो गई। दरअसल, शनिवार को कानपुर-सागर हाईवे पर एक स्कूटी तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आ गई। इस दौरान बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, लेकिन 6 साल का पोता डंपर के अगले हिस्से में स्कूटी समेत फंस गया। डंपर का ड्राइवर बच्चे और स्कूटी को 2 किलोमीटर तक घसीटता ले गया। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने बाइक से डंपर का पीछा किया और रोकने के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन ड्राइवर नहीं रुका। इस दौरान डंपर की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि सड़क से चिंगारी निकल रही थी। घटना का एक वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि हमीरपुर चुंगी के पास रहने वाले रिटायर्ड टीचर उदित नारायण (67) अपने 6 साल के पोते सात्विक पुत्र नीरज को स्कूटी से घुमाने के लिए निकले थे। तभी महोबा से कबरई की ओर जा रहे तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में उदित नारायण की मौत हो गई, जबकि स्कूटी सहित पोता सात्विक डंपर के नीचे फंस गया। तकरीबन 2 किलोमीटर तक घिसटता चला गया। जब तक लोगों ने पीछा कर ट्रक को रुकवाया तब तक सात्विक के शव के चीथड़े उड़ चके थे। हादसे के समय लोगों ने ट्रक को रोकने की बहुत कोशिश की मगर वो इसे अनसुना करता रहा। इस दौरान लोगों ने ट्रक पर पत्थर मारे, जिसके बाद ड्राइवर ने ट्रक को रोका और उतरकर खेतों में भागने लगा।

मुंबई में मकान मालिक ने की थी विधवा की हत्याः9 महीने बाद आरोपी गिरफ्तार, घर खाली नहीं करने पर मारा था

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में पुलिस ने एक व्यक्ति को पत्नी और बेटे समेत अरेस्ट कर लिया है। इस व्यक्ति पर 75 साल की विधवा की हत्या और सबूत नष्ट करने का मामला दर्ज किया गया है।पुलिस के मुताबिक मरने वाली महिला वहीदाबी नूर मोहम्मद शेख विधवा थीं और 1990 से कल्याण कस्बे में घर में अकेली रहती थी। मकान मालिक वहीदा को घर खाली करने के लिए मजबूर कर रहा था क्योंकि री-कंस्ट्रक्शन करना चाहता था। वहीदा की रिश्तेदार ने शिकायत के मुताबिक महिला ने घर खाली करने से इनकार कर दिया था। इस पर मकान मालिक उसे परेशान करता रहता था।

कश्मीर में फिर टारगेट किलिंग कश्मीरी पंडित को गोली मारी

बैंक में सिक्योरिटी गार्ड था; पत्नी के साथ बाजार जाते वक्त हुआ हमला

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

कश्मीर। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में रविवार को आतंकियों ने एक कश्मीरी पंडित को गोली मार दी। घायल को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। आतंकियों ने 40 साल के संजय शर्मा पर तब हमला किया, जब वह पत्नी के साथ सुबह 10.30 बजे मार्केट जा रहे थे। संजय अचान गांव के रहने वाले थे और बैंक में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर तैनात थे। अक्टूबर 2022 के बाद ये कश्मीर घाटी की पहली टारगेट किलिंग है। इससे पहले जम्मू के राजौरी के अपर डांगरी गांव में 1 जनवरी 2023 की शाम को 2 अनजान लोग घुस आए थे। उन्होंने पूछ-पूछकर हिंदुओं को गोली मारी।

हादसे में 2 बच्चों की मौत हो गई थी। संजय शर्मा की हत्या की जिम्मेदारी कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स नाम के आतंकी संगठन ने ली है। इस संगठन ने एक मैसेज जारी करके कहा कि आज सुबह हमने अचान (पुलवामा) के रहने वाले काशीनाथ शर्मा के बेटे संजय शर्मा को एलिमिनेट कर दिया। हमने इससे पहले कई बार वॉर्निंग दी है कि भारत के कश्मीरी पंडितों, हिंदू और पर्यटकों को यहां खत्म कर दिया जाएगा। आगे लिखा- आर्टिकल 370 हटाए जाने के बाद ये लोग सिर्फ भारतीय ऑक्यूपेशन के हाथों की कठपुतली बनकर रह गए हैं। इनके जरिए भारत सरकार यहां कब्जा जमाने के अपने एजेंडे को पूरा करना चाहती है। अपनी बारी के लिए तैयार रहना। हम वादा करते हैं कि हमारे शहीद भाइयों के शरीर से गिरे खून के हर एक कतरे का बदला लेंगे। हम लोगों से कहना चाहते हैं कि कब्जा जमाने वालों के नापाक मंसूबों को लेकर सतर्क रहना। बाहर के किसी इंसान को यहां शरण मत देना। आने वाले दिनों में हम ऐसे और अटैक करके सबको चौंकाएंगे। इस संगठन ने अक्टूबर 2022 में शोपियां के चौधरीगुंड गांव में कश्मीरी पंडित पोरन कृष्णन की हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

संजय राउत बोले- भाजपा और ओवैसी राम-श्याम की जोड़ीः जहां भाजपा को जिताना होता है, वहां ओवैसी पहुंच जाते हैं

मुंबई। संजय राउत ने अक्टक्ट चीफ असदुद्दीन ओवैसी पर पलटवार करते हुए भाजपा और ओवैसी को राम और श्याम की जोड़ी कहा है। संजय ने कहा कि ओवैसी इखढ की इ टीम हैं। ओवैसी की पार्टी वोट कटवा मशीन है। राम-श्याम वाला जुमला उनके ऊपर ज्यादा फिट बैठता है। यह बात संजय ने ओवैसी के उस बयान के बाद कही, जिसमें ओवैसी ने शिवसेना की आलोचना करते हुए शिंदे और उद्धव को राम-श्याम की जोड़ी कहा था। संजय राउत ने यह भी कहा कि शिवसेना अकेले ही चुनाव लड़ेगी। वीर सावरकर महाराष्ट्र के महापुरुष और वीर पुत्र हैं। केंद्र सरकार को उन्हें भारत रत्न देना चाहिए। शनिवार को अक्टक्ट प्रमुख ने ठाणे में एक रैली के दौरान शिवसेना की आलोचना की थी।

गुजरात के राजकोट में हिली धरतीः रिक्टर पैमाने पर 4.3 रही तीव्रता, भूकंप का एपिसेंटर राजकोट से 270 किमी दूर था

राजकोट। गुजरात के राजकोट में रविवार दोपहर 3.21 बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.3 मापी गई। हालांकि, इससे जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित आईएसआर के अनुसार भूकंप का केंद्र राजकोट से 270 किमी उत्तर-पूर्व में दर्ज किया गया है। गुजरात में 26 जनवरी 2001 को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। भुज और कच्छ में इस दौरान भारी तबाही हुई थी।

कुछ लोग कहते हैं- मोदी तेरी कब्र खुदेगी, देश कह रहा है- मोदी तेरा कमल खिलेगाः पीएम मोदी

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को नगालैंड और मेघालय में चुनावी रैली में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने मेघालय के शिलॉन्ग में कहा कि कुछ लोग जिनको देश ने नकार दिया है, जो निराशा के गर्त में डूब चुके हैं, वो आजकल माला जपते हैं और कह रहे हैं कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी, लेकिन देश कह रहा है, देश का कोना कोना कह रहा है, मोदी तेरा कमल खिलेगा। पीएम ने कहा- आज जिस प्रकार से शानदार और जानदार रोड शो आपने किया है, आपका यह प्यार, आपका यह आशीर्वाद, मैं आपके इस कर्ज को जरूर चुकाऊंगा। आपके इस प्यार और आशीर्वाद का कर्ज मैं मेघालय का विकास कर चुकाऊंगा, आपके कल्याण के काम को गति देकर चुकाऊंगा। आपके इस प्यार को मैं बेकार नहीं जाने दूंगा। प्रधानमंत्री ने कहा- जब मैं मेघालय के बारे में सोचता हूं तो मैं प्रतिभाशाली लोगों, जीवंत परंपराओं के बारे में सोचता हूं, अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य के बारे में भी सोचता हूं। मेघालय का संगीत जीवंत है। फुटबॉल के लिए जुनून है। मेघालय के हर कोने में रचनात्मकता है।

मेघालय में कमल खिल रहा है

● प्रधानमंत्री ने कहा- मेघालय में चारों तरफ बीजेपी ही बीजेपी दिख रही है। पर्वतीय हो या मैदानी इलाका, गांव हो या शहर हर तरफ कमल खिलता दिख रहा है। मेघालय आज फैमिली फर्स्ट की बजाय पीपुल फर्स्ट वाली सरकार चाहता है इसलिए आज 'कमल का फूल' मेघालय की मजबूती, शांति और स्थिरता का पर्याय बन गया है। मेघालय के हितों को कभी भी प्राथमिकता नहीं दी गई, आपको छोटे-छोटे मुद्दों पर बांटा गया। इस राजनीति ने आपका बहुत नुकसान किया है, यहां के युवाओं का बहुत नुकसान किया है। शिलॉन्ग के बाद प्रधानमंत्री तुरा में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे।

शिंदे बोले-सीएम को अपने अहंकार को किनारे रखना चाहिए

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा- डेवलपमेंट फंड के लिए केंद्र से अच्छे संबंध की जरूरत

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को उद्धव ठाकरे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि डेवलपमेंट फंड प्राप्त करने के लिए केंद्र के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने चाहिए। काम जमीन पर होते हैं न कि ऑनलाइन या घर से। उन्होंने कहा कि ने राज्य के लिए अहंकार को अलग रखने की जरूरत होती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2019 और 2022 के बीच महा विकास आघाड़ी सरकार में मुख्यमंत्री थे। अक्सर उनकी नरेंद्र मोदी सरकार के साथ खींचतान होती रहती थी। शिंदे ने ये बात एबीपी कॉन्क्लेव में कही। शिंदे ने कहा कि विकास के लिए जमीन पर काम करने की जरूरत होती है। आप ऑनलाइन या फेसबुक के जरिए से काम नहीं कर सकते। एक मुख्यमंत्री को डेवलपमेंट फंड के लिए केंद्र से डील करते समय अहंकार को अलग रखना पड़ता है। शिंदे गुट को असली शिवसेना के रूप में नाम और सिंबल मिलने पर पूछे गए सवाल पर शिंदे ने कहा कि शिवसेना की स्थापना बालासाहेब ठाकरे ने की थी। शिवसेना के अधिकांश विधायक, सांसद, (पूर्व) नगरसेवक मेरे साथ हैं।

पुलवामा के 10 दिन के भीतर होना था दूसरा हमला, रिटायर्ड कमांडर का दावा- सुरक्षा बलों ने पाकिस्तानी आतंकवादियों को मारकर इसे टाला

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। 14 फरवरी, 2019 के पुलवामा हमले के 10 दिन के भीतर एक और आत्मघाती आतंकी हमला होना था। इसकी भनक भारतीय फौज को लग गई थी। सुरक्षा बलों ने दो पाकिस्तानियों समेत तीन आतंकवादियों को मारकर आतंकियों के मंसूबे को तहस-नहस कर दिया था। यह खुलासा चिनार कॉर्प्स के पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) केजेएस ढिल्लन ने अपनी किताब ह्यकितने गाजी आए, कितने गाजी गए' में किया है। किताब में ढिल्लन ने लिखा है कि ऐसे कई आत्मघाती हमलों के बारे में लोग नहीं जानते हैं, जिसकी योजना फरवरी 2019 में ही बनाई गई थी। एक आतंकवादी ने अपने आत्मघाती हमले के इरादे बताने के लिए एक वीडियो बनाया था, जिसमें विस्फोटक और अन्य हथियार दिख रहे थे। इसी इनपुट के आधार पर सुरक्षाबलों ने जॉइंट ऑपरेशन चलाकर उनकी योजना फेल की थी। पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को हमला हुआ था। इसमें एक आत्मघाती हमलावर ने अपने वाहन को सीआरपीएफ के काफिले की बस से टकरा दिया था। इस हमले में 40 जवानों की जान चली गई थी और कई घायल हो गए थे। ढिल्लन ने अपनी किताब में लिखा- पुलवामा की घटना के बाद खुफिया एजेंसियों, जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना ने अपने अभियान तेज कर दिए थे और दक्षिण कश्मीर इलाके में जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के नेटवर्क में घुसपैठ कराने में काफी हद तक सफल रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और बिहार सरकार को नोटिसः पटना हाई कोर्ट के 7 जजों का जीपीएफ खाता हुआ है बंद; एससी ने मांगी रिपोर्ट

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। पटना हाई कोर्ट के 7 जजों का जीपीएफ(जनरल प्रॉविडेंट फंड) खाता बंद हो गया है। सातों जजों ने सुप्रीम कोर्ट में इसे लेकर गुहार लगाई है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और बिहार सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मंगलवार को जब ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो उखक भी हैरान रह गए थे। उखक ने पूछा- क्या? जजों का जीपीएफ खाता बंद? याचिकाकर्ता कौन है? इसके बाद उखक ने कहा कि इस मामले में 24 फरवरी को सुनवाई होगी। शायद देश के इतिहास में यह पहली घटना है जब भेदभाव किए जाने के खिलाफ हाई कोर्ट के सात मौजूदा जज न्याय की गुहार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हों।

जिम में 24 साल के कांस्टेबल की हार्ट-अटैक से मौत

पुशअप्स के बाद सीने में दर्द हुआ, 15 सेकंड में जान गई

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। पिछले कुछ महीनों में जिम में हार्ट अटैक से मौत के मामले बढ़े हैं। ताजा मामला हैदराबाद का है, गुरुवार को यहां एक जिम में वर्कआउट के दौरान पुलिस कांस्टेबल की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान 24 साल के विशाल के रूप में हुई है। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें विशाल पुशअप्स करता नजर आ रहा है। इसके बाद विशाल वॉर्मअप करता है। वीडियो में देखकर लग रहा है कि वॉर्मअप के दौरान ही विशाल के सीने में दर्द शुरू हो जाता है। विशाल जिम की मशीन का सहारा लेकर संभलने की कोशिश करते हैं, लेकिन महज 15 सेकंड में उनकी मौत हो जाती है। इस दौरान जिम में मौजूद लोग विशाल के पास आए और उसे संभालने की कोशिश की। जिम में मौजूद लोगों ने बताया कि विशाल जिम में बेसुध होकर गिर पड़े थे। इसके बाद हम उन्हें पास के अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक विशाल बोवेनपल्ली का रहने वाला था और आसिफ नगर थाने में तैनात था।

आरएसएस ने कहा-पाकिस्तान को 10-20 टन गेहूं भेज दो

सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल बोले- भारत पड़ोसी का धर्म निभाए

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान की आर्थिक तंगी पर संघ ने सरकार को पड़ोसी धर्म निभाने की सलाह दी है। संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान की भुखमरी के दौरान भारत उन्हें 10-20 टन गेहूं भेज सकता है। डॉ. कृष्ण गोपाल फिल्म प्रोड्यूसर इकबाल दुरानी के दिल्ली में हो रहे प्रोग्राम में बोल रहे थे। इस मौके पर संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार भी मौजूद थे। कृष्ण गोपाल ने कहा, 'पाकिस्तान में आटा 250 रुपए किलो हो गया है। हमें दुख होता है। हम उन्हें आटा भेज सकते हैं। भारत तो 25-50 लाख टन गेहूं भी उन्हें दे सकता है, लेकिन वो मांगते ही नहीं है। 70 साल पहले वो हमारे साथ ही थे।' उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान हमसे लड़ता रहा है। भारत से 4 युद्ध लड़ चुका है। हमला पाकिस्तान ही करता है। वो दिन-रात हमें अपमानित करते हैं फिर भी हम चाहते हैं कि वो सुखी हों।' सह सरकार्यवाह ने कहा, 'दोनों देशों के बीच इस दूरी का क्या फायदा है। हम तो चाहते हैं कि उनके यहां पर कोई कुत्ता भी भूखा ना रहे। हम सर्वे भवन्तु सुखिनः में भरोसा करने वाले देश हैं। पाकिस्तान हमसे मांग नहीं रहा है, लेकिन भारत को गेहूं भेज देना चाहिए। भारत की धरती पर कोई भी व्यक्ति भले वह जैन, सिख, वैष्णव, आर्य समाजी हो, वो सर्वे भवंतु सुखिनः के बिना अधूरा है।'

संक्षिप्त समाचार

उमरी गांव में वाल्मिकी समाज ने समाजसेवी संदीप गर्ग को दिया समर्थन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

कुरुक्षेत्र। पिपली ब्लाक के गांव उमरी में वाल्मीकि समाज ने स्टालवर्ल्ड फाउंडेशन के चेयरमैन संदीप गर्ग को 2024 विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी या आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने पर अपना समर्थन दिया। पूर्व सरपंच कृष्ण लाल ने कहा कि जिस प्रकार से समाज सेवी संदीप गर्ग लाडवा हलके की जनता की सेवा करने में लगे हैं, उससे यह साफ जाहिर होता है कि यदि 2024 के विधानसभा चुनाव में संदीप गर्ग लाडवा विधानसभा से चुनाव लड़ते हैं, तो बाल्मीकि समाज पूर्ण रूप से उनको समर्थन देगा। उन्होंने कहा कि उमरी में रविवार को उनको जो समर्थन दिया गया है, उसके लिए बाल्मीकि समाज वचनबद्ध है और हमेशा रहेगा। वहीं समाजसेवी संदीप गर्ग ने वाल्मीकि समाज को विश्वास दिलाते हुए कहा कि उन्होंने जो विश्वास उन पर किया है, उस पर वे खरा उतरने का प्रयास करेंगे और लाडवा हलके की जनता के दुख दर्द दूर करने के लिए सदैव उनके साथ है। उन्होंने कहा कि जो मान सम्मान आज गांव उमरी में उनको मिला है, उसको वह कभी नहीं भुला सकते। इस अवसर पर पूर्व विधायक बंता राम, पूर्व सरपंच कृष्ण लाल, प्रवीण कुमार, सूरजभान, जोगिंदर सिंह, जसमेर, भाई दिनेश पहलवान, रिंकू, बालकिशन, प्रेम चंद के इलावा कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

हरियाणवी सॉग-कला हमें हमारी संस्कृति से जोड़ कर रखता है: सूरजभान कटारिया

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

कुरुक्षेत्र। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य सूरजभान कटारिया ने कहा है कि हरियाणवी सॉग-कला हमें हमारी संस्कृति एवं ऐतिहासिक परंपरा से जोड़कर रखता है। कटारिया ने लुप्त होती जा रही इस कला के कलाकारों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस चमक-दमक के फिल्मी दौर में अपनी संस्कृति एवं इतिहास से जुड़ कर किया जा रहा सांग कला को सरकार का सहयोग भी दिलाया जाएगा। सूरजभान कटारिया ने गांव बाहरी में डेरा बाबा सवार नाथ चेला मोहरू नाथ ट्रस्ट संस्था के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सॉग कला कार्यक्रम के पहले दिवस का उद्घाटन करने के पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहां की डेरे की प्राचीनता और सिद्धि की प्रसिद्धि दूर-दराज के गांव तक भी फैली हुई है। कटारिया ने इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन आयोजित विशाल भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। संस्था के प्रधान मानसिंह बचगांव, सरपंच सुभाष एवं मुकेश नाथ ने सूरजभान कटारिया को स्मृति चिन्ह एवं सरोपा भेंट करके सम्मानित किया। कार्यक्रम में मनमोहक रूप से प्रसिद्ध सांगी कलाकार सूरजभान बेदी व विष्णु हरियाणवी की टीम ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक के भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं का एवं गांव वासियों का मन मोहा। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मानसिंह बचगांव, प्रधान रामदास, बाहरी ग्राम सरपंच सोनू सुभाष, जिला परिषद सदस्य सुरेंद्र बवानी खेड़ा, श्री गुरु रविदास समाज कल्याण सभा धर्मशाला के प्रधान सूरज भान नरवाल, सावित्रीबाई फुले ट्रस्ट की अध्यक्षा स्वीटी रंगा, आम आदमी पार्टी नेता मेवा सिंह आर्य, फूल सिंह पूर्व सरपंच दयालपुर, रामकुमार राहुल सुविधा, रामकुमार बीबीयान, रामकरण जटिया, रिखी राम यादव, जगमिंदर बैरागी, श्याम लाल अढोन, जसविंदर सरपंच बैचगांव, सतपाल बाहरी, मिंहा सिंह रंगा आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र सहित कुछ अन्य प्रदेश भी पीपीपी का कर चुके हैं अध्ययन : मुख्यमंत्री मनोहर लाल

स्मार्ट सिटी करनाल में 400 से अधिक लोगों की मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सुनी समस्याएं, मौके पर किया समाधान

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

करनाल। हरियाणा सरकार द्वारा गांवों को लाल डोरा मुक्त करने की अनूठी पहल को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वामित्व योजना के रूप में देश में लागू की जा चुकी है। अब प्रधानमंत्री ने हरियाणा सरकार की परिवार पहचान पत्र नामक एक ओर अनूठी योजना को सभी राज्यों को अपनाने की सलाह दी है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल आज करनाल जिला में करनाल क्लब में आयोजित मुख्यमंत्री जन संवाद कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं को सुना और मौके पर उनके निदान के आदेश दिए। लोगों की समस्याओं को सीधा सुनने की आरंभ की गई मुख्यमंत्री की पहल का लोग स्वागत कर रहे हैं। वे इस बात से संतुष्ट नजर आए कि मुख्यमंत्री स्वयं उच्च

अधिकारियों के साथ बैठ कर समस्याओं को सुन रहे हैं और मौके पर ही उनका समाधान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता उनका परिवार है और लोगों की समस्याओं को सुनने का यह अनूठा प्रयोग है। इससे पहले रोहतक, सिरसा, सोनीपत व कुरुक्षेत्र जिलों में भी जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं का हर हालत में समाधान किया जाएगा। अधिकारियों को लापरवाही बरतने नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 8 वर्षों में व्यवस्था परिवर्तन के कई काम किए हैं। लोगों के जीवन को सरल बनाने व उनकी शिकायतों और समस्याओं के निदान के लिए नई-नई नीतियां बनाई हैं और पुराने कानूनों में संशोधन किये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक नई पहल शुरू करते हुए विवादों से समाधान कार्यक्रम चलाया था, जिसके तहत नई नीतियां बनाकर विभिन्न विभागों की समस्याओं का निदान किया गया। मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार ने परिवार पहचान पत्र के माध्यम से परिवारों का डाटा एकत्र किया है और उनके कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। परिवार पहचान पत्र के माध्यम से हर वर्ग के कल्याण के लिए नए प्रयोग किए जा रहे हैं। विशिष्ट विभागों को नागरिकों की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि 6 वर्ष तक के आयु समूह को महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंपा गया है, ताकि हर जरूरतमंद बच्चे की देखभाल की जा सके, भले ही बच्चा वर्तमान में आंगनवाड़ी केंद्र में जा रहा हो या नहीं। उन्होंने कहा कि 6 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष तक के आयु समूह को स्कूल शिक्षा विभाग को सौंपा गया है, ताकि विभाग यह सुनिश्चित करे कि कोई भी बच्चा स्कूल से बाहर न रहे। इसी प्रकार, 18 वर्ष से अधिक और 25 वर्ष तक के आयु समूह को उच्च शिक्षा विभाग को यह सुनिश्चित करने के लिए सौंपा गया है कि प्रत्येक युवा या तो शिक्षित हो या नौकरियों के लिए कौशलप्राप्त हो। 25 वर्ष से अधिक एवं 40 वर्ष तक के आयु वर्ग को युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग को सौंपा गया है ताकि इस आयु वर्ग के युवाओं के लिए कौशल, उद्यमिता एवं रोजगार सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने बताया कि 40 से 60 वर्ष तक की आयु वर्ग की देखभाल राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा की जाएगी और 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों की देखभाल सेवा विभाग द्वारा की जाएगी। यह सरकार का प्रदेश के लोगों तक पहुंचने का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है।

जिला में 28 फरवरी तक रहेगी इंटरनेट पर पाबंदी

गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जारी किए आदेश

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

नूंह। हरियाणा सरकार ने नूंह जिले के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र में वॉयस कॉल को छोड़कर इंटरनेट सेवाओं (2जी/3जी/4जी/सीडीएमए/जीपीआरएस) को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। बल्क एसएमएस सहित सभी एसएमएस सेवाओं (बैंकिंग और मोबाइल रिचार्ज को छोड़कर) और मोबाइल नेटवर्क पर दी जाने वाली डोंगल सेवाएं भी 26.02.2023 से 28.02.2023 तक निलंबित रहेंगी। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवी एस एन प्रसाद ने यह आदेश जारी किया है। उन्होंने बताया कि जिला में प्रदर्शन के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दूरसंचार सेवाओं का अस्थायी निलंबन (सार्वजनिक आपातकाल या सार्वजनिक सुरक्षा) नियम, 2017 के नियम (2) के साथ पठित भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 की धारा 5 के तहत लिया गया है। उन्होंने बताया कि दुष्प्रचार

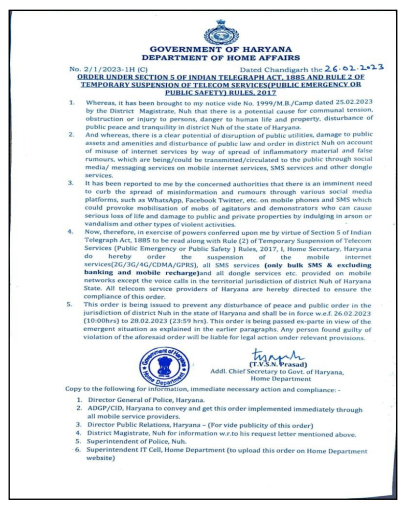

GOVERNMENT OF HARYANA
DEPARTMENT OF HOME AFFAIRS

No. 2/1/2023-1H (C) Dated Chandigarh the 26.02.2023

ORDER UNDER SECTION 5 OF INDIAN TELEGRAPH ACT, 1885 AND RULE 2 OF TEMPORARY SUSPENSION OF TELECOM SERVICES(PUBLIC EMERGENCY OR PUBLIC SAFETY) RULES, 2017

1. Whereas, it has been brought to my notice vide No. 1999/M.B./Camp dated 25.02.2023 by the District Magistrate, Nuh that there is a potential cause for communal tension, obstruction or injury to persons, danger to human life and property, disturbance of public peace and tranquility in district Nuh of the state of Haryana.
2. And whereas, there is a clear potential of disruption of public utilities, damage to public assets and amenities and disturbance of public law and order in district Nuh on account of misuse of internet services by way of spread of inflammatory material and false rumours, which are being/could be transmitted/circulated to the public through social media/ messaging services on mobile internet services, SMS services and other dongle services.
3. It has been reported to me by the concerned authorities that there is an imminent need to curb the spread of misinformation and rumours through various social media platforms, such as WhatsApp, Facebook Twitter, etc. on mobile phones and SMS which could provoke mobilisation of mobs of agitators and demonstrators who can cause serious loss of life and damage to public and private properties by indulging in arson or vandalism and other types of violent activities.
4. Now, therefore, in exercise of powers conferred upon me by virtue of Section 5 of Indian Telegraph Act, 1885 to be read along with Rule (2) of Temporary Suspension of Telecom Services (Public Emergency or Public Safety) Rules, 2017, I, Home Secretary, Haryana do hereby order the suspension of the mobile internet services(2G/3G/4G/CDMA/GPRS), all SMS services **(only bulk SMS & excluding banking and mobile recharge)**and all dongle services etc. provided on mobile networks except the voice calls in the territorial jurisdiction of district Nuh of Haryana State. All telecom service providers of Haryana are hereby directed to ensure the compliance of this order.
5. This order is being issued to prevent any disturbance of peace and public order in the jurisdiction of district Nuh in the state of Haryana and shall be in force w.e.f. 26.02.2023 (10:00Hrs) to 28.02.2023 (23:59 hrs). This order is being passed ex-parte in view of the emergent situation as explained in the earlier paragraphs. Any person found guilty of violation of the aforesaid order will be liable for legal action under relevant provisions.

(T.V.S.N Prasad)
Addl. Chief Secretary to Govt. of Haryana,
Home Department.

Copy to the following for information, immediate necessary action and compliance: -
1. Director General of Police, Haryana.
2. ADGP/CID, Haryana to convey and get this order implemented immediately through all mobile service providers.
3. Director Public Relations, Haryana – (For vide publicity of this order)
4. District Magistrate, Nuh for information w.r.to his request letter mentioned above.
5. Superintendent of Police, Nuh.
6. Superintendent IT Cell, Home Department (to upload this order on Home Department website)

और अफवाहें आंदोलनकारियों और प्रदर्शनकारियों की भीड़ बढ़ाने और लामबंदी का काम करती हैं। ये लोग आगजनी या तोड़फोड़ और अन्य प्रकार की हिंसक गतिविधियों में शामिल होकर जान की गंभीर हानि, सार्वजनिक व निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। जिला में प्रदर्शनकारियों, आंदोलनकारियों, उपद्रवियों और असामाजिक तत्वों से क्षेत्र में तनाव, नाराजगी या व्यक्तियों को चोट, जान व संपत्ति के लिए खतरा और सार्वजनिक शांति भंग होने की संभावना है। इसे देखते हुए एसएमएस और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर आदि के माध्यम से दुष्प्रचार और अफवाहों के प्रसार को रोकने के लिए इंटरनेट सेवाओं को 28.02.2023 तक के लिए बंद करने का निर्णय लिया है । अतिरिक्त मुख्य सचिव टीवी एस एन प्रसाद ने कहा कि हरियाणा के सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को ताजा आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। आदेश के उल्लंघन का दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति पर संबंधित प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रजापति जागरूक सभा ने गुरमीत सिंह का किया स्वागत

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

कुरुक्षेत्र। प्रजापति जागरूक सभा हरियाणा के अध्यक्ष रामकुमार रंबा की अध्यक्षता में एक बैठक रोहटी गुरमीत सिंह के निवास स्थान पर हुई जिसमें गुरमीत सिंह जो विदेश इंग्लैंड से आए हुए बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। सभा का संचालन राजन वकील ने किया। बैठक से पूर्व मुख्यातिथि गुरमीत सिंह का प्रजापति जागरूक सभा हरियाणा ने पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर कार्यकारिणी ने सम्मानित किया। पुस्तक प्रजापति समाज के उद्देश्य स्वाभिमान संतुष्ट इंसान मुख्यातिथि के करकमलों से वितरित की गई और मुख्यातिथि ने अपने सुझाव भी दिए। बैठक में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष रामकुमार व कार्यकारिणी ने कहा कि सबको संगठित किया जाएगा उसके एक बड़ी बैठक की जाएगी। गोपी राम संरक्षक ने भी सभी को संगठित होने का संदेश दिया।?

लिंग्याज के स्टार नाइट में पंजाबी सिंगर सुख-इ ने बांधा समां

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद! स्थित लिंग्याज विद्यापीठ (डीम्ड-टु-बी-यूनिवर्सिटी)के दो दिवसीय जेस्ट 'गूंज 2द्म23' केअंतिम दिन स्टार नाइट का आयोजन हुआ जिसमें 'कोका फेम'पंजाबी सिंगर सुख-इ ने शिरकत की। जिनके स्टेज पर आते ही उनके चाहने वालों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उनके द्वारा पेश किए गए पंजाबी गानों का उनके चाहने वालों ने खूब आनंद उठाया। इस मौके पर उन्होंने अपने हिट गाने ÷जैगुआर, हाए नी तेरा कोका-कोका, वाहं भई-वाहं, सुसाइड, चोकलेटी गर्ल, ऑल ब्लैक÷ गाए। जिनके गाते ही समां कुछ इस कदर बना की वहां मौजूद सभी को उन्होंने झूमने पर मजबूर कर दिया। गायक, संगीतकार और संगीत निर्माता सुख-इ पंजाब के गढ़शंकर में जन्में। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने

के बाद म्यूजिकल डॉक्टरज नाम का बैंड बनाया। इस बैंड के साथ सुख-इ ने कई सारे रिकॉर्ड किए। इन्होंने अपना डेब्यू स्निपर गाने से किया इस गाने में ये रफ़्तार के साथ दिखाई दिए। उसके बाद 2015 में इनका दूसरा गाना जैगुआर आया जिसे लोगों ने काफी पसंद किया।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को नैतिकता के आधार पर फखर-ए-कौम अवार्ड लौटा देना चाहिए : अजराना

कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी में शिअद गुर्गों द्वारा खलल डालने की सख्त शब्दों में की निंदा

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

कुरुक्षेत्र। शिरोमणि अकाली दल बादल के संरक्षक एवं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को नैतिकता के आधार पर फखर-ए-कौम अवार्ड लौटा देना चाहिए। यदि वे ऐसा नहीं करते, तो श्री अकाल तख्त साहिब श्री अमृतसर के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी हरप्रीत सिंह को चाहिए कि वे उन्हें यह अवार्ड लौटाने के लिए निर्देश दें। यह मांग शिरोमणि अकाली दल हरियाणा स्टेट के प्रवक्ता एवं सिख परिवार हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष कवलजीत सिंह अजराना ने करते हुए बादल पिता-पुत्र पर तीखे प्रहार किए। कवलजीत सिंह अजराना यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में पिछले दिनों ऐतिहासिक गुरुद्वारा साहिब पातशाही छठी कुरुक्षेत्र में शिअद के पदाधिकारियों द्वारा

हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के कार्यक्रम में खलल डालने की सख्त शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि बादल ग्रुप ने सदैव ही श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की मर्यादा का हनन किया है, जो अब जगजाहिर हो गया है। उन्होंने गत दिवस कोटकपूरा मामले में शिअद सुप्रीमो प्रकाश सिंह बादल और शिअद के राष्ट्रीयाध्यक्ष व पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को आरोपी बनाए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि नाम सिमरन कर रही निहत्थी संगत पर साजिश के तहत गोली चलाना अब सामने आ चुका है। इसलिए प्रकाश सिंह बादल को चाहिए कि वे नैतिकता के आधार पर फखर-ए-कौम अवार्ड लौटा दें। अजराना ने कहा कि इससे पहले भी डेरा सिरसा प्रमुख को क्लीन चिट दिलवाने के आरोप भी बादल परिवार पर लगे थे। इतना ही नहीं, श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज के 328 स्वरूप चोरी होने का दाग़ भी उनके दामन पर लगा है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि होंगे राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

चार महत्वपूर्ण एमओयू साइन करेगा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय -नेहरू

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का वार्षिकोत्सव 23 फरवरी को पलवल के दुधौला परिसर में आयोजित होगा। हरियाणा के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। विश्वविद्यालय परिसर को सजाया जा रहा है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने बताया कि वार्षिकोत्सव में प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव के लिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में काफी उत्साह है। इस दौरान श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय चार महत्वपूर्ण एमओयू भी साइन करेगा। इन के माध्यम से विश्वविद्यालय उद्योग और उद्यम के क्षेत्र में नई पहल करने जा रहा है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि किसी भी संस्थान का वार्षिक उत्सव उसकी साल भर की उपलब्धियों के मूल्यांकन और उन पर गर्व करने का अवसर होता है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने भी पिछली अवधि में कई ऐसी उपलब्धियां अर्जित की हैं, जो हमेशा के लिए गौरवान्वित करेंगी। बीते 25 दिसंबर को ही विश्वविद्यालय को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन

पुरस्कार मिला है। इसके अलावा रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) की शुरुआत की है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को प्रदेश प्रदेश भर में इसको लागू करने का जिम्मा भी मिला है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की नई पहल इनोवेटिव स्किल स्कूल को भी प्रदेश स्तर पर बड़ी मान्यता मिली है और अब हरियाणा सरकार 10 जिलों में इस की तर्ज पर 10 इनोवेटिव स्किल स्कूल खोलने जा रही है। जिनका संचालन श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय करेगा। साथ ही साथ विश्वविद्यालय की पहल पर बी. वॉक को अन्य स्नातकीय कोर्सों के बराबर मान्यता भी प्राप्त हुई है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की है। कुलपति श्री राज ने बताया कि इस वार्षिक उत्सव में विश्वविद्यालय के उन सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इस वार्षिक उत्सव में विश्वविद्यालय अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य के लक्ष्यों को लेकर भी कुछ नए संकल्प धारण करेगा। कुलपति श्री राज नेहरू ने बताया कि विश्वविद्यालय ने इस बार से कुछ नए कोर्स भी शुरू करने की योजना बनाई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर आरएस राठौड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं और कौशल शिक्षा के क्रियान्वयन को लेकर भी विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक प्रोफेसर ज्योति राणा ने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रगति को लेकर एक वार्षिक रिपोर्ट भी जारी होगी। वार्षिक उत्सव को लेकर विद्यार्थियों में काफी उत्साह है और इस दौरान विद्यार्थी कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करेंगे।

सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग हरियाणा की चार दिवसीय कार्यशाला स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल में जारी

अतुल्य लोकतंत्र/मुकेश बघेल

गुरुग्राम। आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के तहत सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग हरियाणा द्वारा स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल में गुरुग्राम, फरीदाबाद व रोहतक मंडल के जिलों की चार दिवसीय कार्यशाला तीसरे दिन भी जारी रही। कार्यशाला के तीसरे दिन बुधवार को संगीत विशेषज्ञों, रंगकर्मी व विभाग के अधिकारियों ने प्रतिभागी भजन पार्टी व खण्ड प्रचार कार्यकर्ताओं को गीत संगीत में बदलाव, आईटी के इस्तेमाल से पारंपरिक प्रचार माध्यमों को प्रभावी बनाना, क्षेत्रीय प्रचार दल का प्रस्तुतिकरण, मंच संचालन की कला आदि विषयों पर प्रायोगिक व बौद्धिक पक्ष का ज्ञान दिया गया। बीते दिन से जारी कार्यशाला में हरियाणा सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों, विकासोन्मुखी कार्यक्रमों व सामाजिक जागरूकता को लेकर 45 नए विकास गीत लिखे गए हैं। इन गीतों को पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ सुरबद्ध करते हुए वीडियों रील भी तैयार की जा रही है। तीसरे दिन के पहले सत्र में संयुक्त निदेशक एनसीआर रणबीर सिंह सांगवान ने कार्यशाला की उपयोगिता व उद्देश्य से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। उन्होंने कार्यशाला में अब तक तैयार हुए गीतों की समीक्षा भी की। वहीं, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी बिजेंद्र कुमार ने भी तीसरे दिन के कार्यक्रम से प्रतिभागियों को अवगत करवाया।

कार्यशाला के तीसरे दिन रंगकर्मी डा. हनीफ खान व लोकगायक झम्मन मीर ने गीत संगीत में बदलाव, आईटी का इस्तेमाल व प्रचार दल के

प्रस्तुतिकरण पर व्याख्यान दिए। व्याख्यान के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को इन पहलुओं का प्रायोगिक ज्ञान भी दिया। साथ ही विषयों को लेकर खुलकर चर्चा भी की। डा. हनीफ खान ने कहा कि किसी भी कार्यक्रम के प्रति जनमानस में रूचि जागृत करने में भजन पार्टियों का प्रस्तुतिकरण व मंच संचालन कला महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में किसी भी कार्यक्रम में जाने से पहले दर्शकों, अतिथियों व विषय वस्तु को लेकर पूर्व तैयारी कर लेनी चाहिए। इसी तरह लोक गायक झम्मन मीर ने अपने अनुभव के आधार पर नए गीत तैयार करने के लिए उपयोगी बातें, आईटी के दौर में पारंपरिक वाद्य यंत्रों के इस्तेमाल को लेकर बड़े ही प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि प्रचार अमला सरकार की नीतियों को धरातल पर जाकर प्रचारित करता है। आप ग्रामीणों की सरल भाषा में ही उन्हें उन योजनाओं के बारे में बतायें और स्कीमों का लाभ लेने के लिए क्या करना होगा, इसके बारे में भी लोगों का मार्गदर्शन करें ताकि सभी पात्र व्यक्ति उन योजनाओं का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर सूचना, लोकसंपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग हरियाणा के अधीक्षक चंद्र सिंह, ड्रामा इस्पेक्टर पवन कुमार आदि भी उपस्थित रहे। चार दिवसीय कार्यशाला का समापन आज सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग हरियाणा द्वारा स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल में गुरुग्राम, फरीदाबाद व रोहतक मंडल के जिलों की चार दिवसीय कार्यशाला का समापन गुरूवार को होगा। समापन कार्यक्रम में सूचना, लोकसंपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग हरियाणा के अतिरिक्त निदेशक डा. कुलदीप सैनी मुख्य अतिथि होंगे। कार्यशाला के अंतिम दिन विकास गीत व नई धुन तैयार करना तथा कार्यशाला की गतिविधियों पर चर्चा भी की जाएगी।

एमसीडी की स्टैंडिंग कमेटी के दोबारा चुनाव पर दिल्ली हाई कोर्ट ने लगाई रोक, हंगामे को लेकर केस दर्ज

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्यों के दोबारा चुनाव पर दिल्ली हाई कोर्ट की रोक को आम आदमी पार्टी ने अपनी जीत बताया है। आप ने ये भी दावा किया कि कोर्ट द्वारा मामले की जांच किए जाने तक मेयर ही निगम को चलाएंगी। वहीं सिविक सेंटर में आप-भाजपा पार्षदों के बीच हुए हंगामे को लेकर दिल्ली पुलिस की ओर से मामला दर्ज कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने आप और भाजपा के पार्षदों के बीच हुई हाथापाई और मारपीट को लेकर आईपीसी की धारा 160 के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। इसकी जांच में जुट गई है। बता दें कि मामला दर्ज करने के लिए दोनों दलों ने दिल्ली पुलिस को शिकायत दी थी। वहीं मामला कोर्ट में पहुंचने को लेकर आप की ओर से दावा किया गया कि अब एमसीडी की बागडोर मेयर और डिप्टी मेयर तबतक संभालेंगे, जबतक कि हाई कोर्ट इस मामले में सुनवाई करता है और ये सुनिश्चित करता है कि सदन बिना किसी बाधा के चले। हाई कोर्ट के फैसले पर मेयर शैली ओबेरॉय ने कहा कि यह फैसला उनकी और आम आदमी पार्टी की निजी जीत है। उन्होंने कहा कि सभी ने देखा कि शुक्रवार को स्थायी समिति के नतीजे घोषित होने से ठीक पहले कैसे भाजपा पार्षदों ने सुनियोजित तरीके से उन पर और आप पार्षदों पर व्यक्तिगत हमले किए। आप विधायक आतिशी ने भी कहा कि अदालत का आदेश पार्टी की जीत है क्योंकि भाजपा उम्मीद कर रही थी कि हाई कोर्ट वोटों की गिनती के संबंध में पार्टी की एक अवैध मांग का समर्थन करेगा, लेकिन अदालत ने उनकी असंवैधानिक और अवैध मांग को मानने से इनकार कर दिया।

बीजेपी को कोर्ट से लगा झटकाः आतिशी

● आतिशी ने कहा, बीजेपी ने इस इच्छा के साथ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था कि अदालत उनकी मांग को स्वीकार करे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अदालत ने कहा कि वह इस मामले की जांच करेगी और देखेगी कि भारत का संविधान मेयर और नगरपालिका सचिव को क्या अधिकार देता है। उन्होंने बताया कि पहले दिन से ही आप ने कहा था कि बीजेपी को संविधान के कानूनों का पालन करने की जरूरत है और वह जो चाहती है वह नहीं कर सकती। बता दें कि स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव के बाद जब वोटों की गिनती की बारी आई तो दोनों पक्षों के पार्षदों के बीच हिंसक झड़प होते ही हंगामा हो गया था, जिसके बाद सदन को स्थगित कर दिया गया।1

एमसीडी को चलाएंगी मेयरः आतिशी

● आतिशी ने कहा, डीएमसी अधिनियम में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मेयर पीठासीन अधिकारी हैं और उनके पास यह तय करने की शक्ति है कि कौन सा वोट वैध है और कौन सा वोट अमान्य है।÷ बीजेपी पार्षदों द्वारा किए गए पूरे हंगामे के बाद जब वे मतपेटी चुराकर भाग गए, मेयर के पास स्थायी समिति के सदस्यों के लिए हुई मतदान प्रक्रिया के परिणाम घोषित करने का कोई आधार नहीं है। आतिशी ने कहा कि हाई कोर्ट के फैसले से आम आदमी पार्टी बहुत खुश है। उन्होंने कहा, ÷चुनाव किसी भी तारीख को होंगे, वे डीएमसी अधिनियम के नियमों के अनुसार होंगे और आप खुश है कि चुनाव उच्च न्यायालय की निगरानी में होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बन रहे मकान का लैंटर गिरने से नाबालिग की मौत, दादी घायल, ठेकेदार पर एफआईआर

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

गुरुग्राम। पुलिस ने शनिवार को बताया कि दिल्ली से सटे गुरुग्राम के नखरोला गांव में एक निर्माणाधीन मकान का लैंटर गिरने से एक 15 साल के किशोर की मौत हो गई और उसकी दादी गंभीर रूप से घायल हो गईं। निर्माण ठेकेदार और अन्य के खिलाफ खेरकी दौला पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कार्य), 337 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्य से चोट पहुंचाना) और 304ए (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। शनिवार को मृतक के पिता की एक शिकायत पर ये एफआईआर दर्ज हुई एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान आदित्य (15) के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता नरेश कुमार के मुताबिक ठेकेदार जय प्रकाश ने शुक्रवार को लैंटर लगाया था। मेरी मां संतोष देवी (55) शुक्रवार शाम हमारे घर के सामने नाले की सफाई कर रही थीं। मेरा बेटा उसके पास खड़ा था जब लैंटर उन पर गिरा। ग्रामीणों की मदद से हम दोनों को पास के एक निजी अस्पताल ले गए। कुमार ने कहा, ÷मेरी मां को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई और मेरे बेटे को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां शुक्रवार देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मेरे बेटे की मौत के लिए ठेकेदार जिम्मेदार है। खेड़कीदौला थाने के एसएचओ इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

इंस्टाग्रामः लड़की बन लड़कों से उनकी गर्लफ्रेंड की मांगता था फोटो, फिर फेक प्रोफाइल से उन्हें करता था ब्लैकमेल

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में पुलिस ने एक ऐसे इंटीरियर डिजाइनर को गिरफ्तार किया है जो इंस्टाग्राम पर लड़कियों की स्टॉकिंग करता था और उन्हें परेशान करता था। इंस्टाग्राम पर लड़कियों का पीछा करने वाले एक इंटीरियर डिजाइनर को उत्तरी जिला की साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने कई लड़कियों को फेक प्रोफाइल बनाकर परेशान किया हुआ था। उनमें से एक लड़की की शिकायत पर ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जानकारी दी है कि आरोपी लड़कियों के नाम से फेक प्रोफाइल बनाकर लड़कों से दोस्ती करता था और उनकी गर्लफ्रेंड की फोटो व वीडियो मंगाता था। फिर उन्हीं फोटो वीडियो को अश्लील बनाकर फेक प्रोफाइल से लड़कियों को भेजकर उन्हें ब्लैकमेल करता था। आरोपी के पास से एक फोन और सिम कार्ड बरामद किए गए हैं जिनका अपराध में इस्तेमाल होता था।

विपिन गार्ड में पत्नी, पांच साल और चार माह के बेटे की गला काटकर हत्या, फिर खुदकुशी की कोशिश

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के विपिन गार्डन से रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। विपिन गार्डन में एक शख्स ने अपनी पत्नी, पांच साल और चार माह के बेटे की हत्या कर खुदकुशी की कोशिश की। विपिन गार्डन इलाके में पत्नी और दो बच्चों की हत्या कर 35 साल के राजेश नाम के शख्स ने की खुदकुशी की कोशिश, कमरे में बिस्तर पर तीनों के खून से सने शव पड़े मिले। विपिन गार्डन में परिवार किराए पर रहता था। मृतकों में 34 साल की सुनीता, 5 साल का बेटा आयन और 4 महीने का अमय है। इन सभी का गला काट कर हत्या की गई। खुदकुशी करने की कोशिश में राजेश की हालत नाजुक है।

राजधानी के नेहरू स्टेडियम से अपोलो टायर दिल्ली मैराथन शुरू हुई, केनियाई धावक ने दिखाई हरी झंडी

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी के नेहरू स्टेडियम से अपोलो टायर दिल्ली मैराथन शुरू हुई, केनियाई धावक ने दिखाई हरी झंडीदिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से अपोलो टायर दिल्ली मैराथन की शुरुआत हो गई है। जानकारी के अनुसार कीनिया के मध्यम दूरी के ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट धावक डेविड रुदिशा ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से अपोलो टायर दिल्ली मैराथन की शुरुआत हो गई है। जानकारी के अनुसार कीनिया के मध्यम दूरी के ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट धावक डेविड रुदिशा ने मैराथन को हरी झंडी दिखाई।

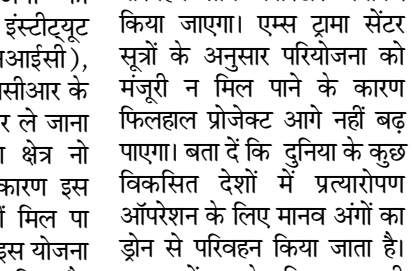

सीबीआई की सिसोदिया से पूछताछ पर बोले केजरीवाल, समाज के लिए जेल जाना दूषण नहीं, भूषण होता है

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया से पूछताछ कर रही है। इसे लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आशंका जताई कि जांच एजेंसी सीबीआई मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार कर सकती है। केजरीवाल ने कहा कि उनके सूत्रों ने उन्हें अपने डिप्टी सीएम की गिरफ्तारी के बारे में संभावना जताई है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि सीबीआई ने मनीष सिसोदिया को पूछताछ के लिए बुलाया है। उन्हें रविवार को गिरफ्तार किया जाएगा, यह वास्तव में निराशाजनक है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सबसे पहले, शराब घोटाले जैसी कोई चीज नहीं है। हमने देश में सबसे अच्छी और सबसे पारदर्शी नीति तैयार की है। उन्होंने राजनीतिक प्रतिशोध और साजिश के परिणामस्वरूप मामले को फंसाया है। मनीष वहां जाएंगे और हम पूरा सहयोग करेंगे। भगवान आपके साथ है मनीष। लाखों बच्चों और उनके पेरेंट्स की दुआयें आपके साथ हैं। जब आप देश और समाज के लिए जेल जाते हैं तो जेल जाना दूषण नहीं, भूषण होता है। प्रभू से कामना करता हूँ कि आप जल्द जेल से लौटें। दिल्ली के बच्चे, पैरेंट्स और हम सब आपका इंतज़ार करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जिस देश में गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा देने वाले और उन बच्चों का भविष्य बनाने वाले जेल में हों और अरबों का घोटाला करने वाले प्रधानमंत्री के जिगरी दोस्त हों, वो देश कैसे तरक्की कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान आपके साथ हैं मनीष। लाखों बच्चों और उनके पेरेंट्स की दुआएं आपके साथ हैं। जब आप देश और समाज के लिए जेल जाते हैं तो जेल जाना दूषण नहीं, भूषण होता है। प्रभू से कामना करता हूँ कि आप जल्द जेल से लौटें। दिल्ली के बच्चे, पैरेंट्स और हम सब आपका इंतज़ार करेंगे। जिस देश में गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा देने वाले और उन बच्चों का भविष्य बनाने वाले जेल में हों और अरबों का घोटाला करने वाले प्रधान मंत्री के जिगरी दोस्त हों, वो देश कैसे तरक़्क़ी कर सकता है।

सचिन का कारनामाः दोस्त से गायब कराई कार, पुलिस में दर्ज कराई एफआईआर , वजह जान दंग रह जाएंगे आप

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका इलाके में बीमा की रकम हड़पने के लिए एक व्यक्ति ने दोस्त के साथ मिलकर कार चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से उसके दोस्त को बामडोली झज्जर से गिरफ्तार कर लिया है। जबकि मुख्य आरोपी और उसके एक साथी की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस की जांच बढ़ने पर आरोपी ने अपनी कार में आग लगा दी। पुलिस जली हुई हॉडा सिटी कार और वारदात में इस्तेमाल आई10 कार बरामद कर ली है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गांव बामडोली, झज्जर हरियाणा निवासी दीपक के रूप में हुई है। वह पीडीएम कॉलेज से वकालत की पढ़ाई कर रहा है। दो फरवरी को बाबा हरिदास नगर थाने में सचिन नाम के युवक ने अपनी होंडा सिटी कार चोरी होने की शिकायत की। शिकायतकर्ता ने बताया कि एक फरवरी की रात वह होंडा सिटी कार से उग्रसेन पार्क, गोशाला नंबर दो, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, गया था। जहां से किसी ने उसकी कार चुरा ली। मामले की जांच का जिम्मा वाहन चोरी निरोधक शाखा को सौंपी गई। निरीक्षक कमलेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज और एएनपीआर कैमरों (स्वचालित नंबर प्लेट पहचान) की जांच की गई। जिसमें पता चला कि कार चोरी करने के दौरान एक और कार का इस्तेमाल किया गया है। पुलिस ने झरोदा बार्डर के पास लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपी की आई10 कार की पहचान की। कार बामडोली निवासी दीपक के नाम रजिस्टर थी। पुलिस ने दीपक को हिरासत में ले लिया। पहले तो उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की लेकिन बाद में वारदात में शामिल होना कबूल कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि शिकायतकर्ता सचिन कॉलेज का दोस्त है।

मकान सील होने के डर से फेसबुक पर लाइव होकर खुद को आग लगाई, अस्पताल में मौत

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके में मकान सील होने के डर से एक युवक ने फेसबुक पर लाइव होकर खुद को आग लगा ली। गंभीर हालत में कपिल कुमार (33) को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार तड़के उन्होंने दम तोड़ दिया। दरअसल कपिल ने एक निजी बैंक से कारोबार के लिए 18.50 लाख का लोन लिया था। उन्होंने पंद्रह लाख रुपये चुका भी दिए थे। लेकिन ब्याज समेत 21.50 लाख रुपये बैंक मांग रहा था। लोन चुका न पाने पर बैंक ने कोर्ट में याचिका डाली। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर पुलिस के साथ अधिकारी कपिल के मकान को सील करने पहुंच गए। वहां सब की मौजूदगी में कपिल ने यह कदम उठाया। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद कपिल का शव परिवार के हवाले कर दिया गया। जानकारी के अनुसार गोकुलपुरी निवासी कपिल कुमार के परिवार में पत्नी गीता के अलावा दो बेटे अक्षय और रूबल हैं। घर से चंद कदमों की दूरी पर कपिल की गारमेंट्स शॉप है। कपिल ने वर्ष 2019 में एक निजी बैंक से लोन लिया था। लोन की बड़ी रकम चुकाने के बाद भी बैंक ज्यादा रकम चुकाने पर जोर दे रहा था। कपिल ने इसका विरोध किया तो निजी बैंक के अधिकारी कोर्ट चले गए। जहां अदालत ने बैंक के पक्ष में फैसला देकर कपिल का घर सील करने का आदेश दिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को बैंक अधिकारी कोर्ट रिसीवर के साथ वहां पहुंचे थे। इसके बाद पुलिस बल के साथ कपिल के मकान को सील करने की प्रक्रिया शुरू हो गई। मकान की ऊपरी मंजिल को सील कर दिया गया। इस बीच कपिल ने ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।

प्रगति मैदान में विश्व पुस्तक मेले का आगाज, 50 साल पूरे होने पर डाक टिकट जारी

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रगति मैदान के नए हॉल में शनिवार को विश्व पुस्तक मेले का आगाज हुआ। केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री राजकुमार रंजन ने मेले का उद्घाटन किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने आजादी के अनसंग हीरोज पर लिखी 75 युवा लेखकों की किताबों का विमोचन किया। साथ ही दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के 50 साल पूरे होने पर एनबीटी पर एक डाक टिकट भी जारी किया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक, नोबल पुरस्कार विजेता ऐनी एर्नोक्स, फ्रांस के राजदूत इमैनुअल लेनिन, फ्रांस दूतावास में सांस्कृतिक मामलों के सलाहकार इमैनुएल लेब्रल डेमियंस और आईटीपीओ के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप सिंह खरौला मौजूद रहे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद फिर से प्रगति मैदान के नए हॉल में सैकड़ों प्रकाशकों और अनगिनत पाठकों को एक साथ उपस्थित होने का मौका मिला है। यह उनका सौभाग्य है कि मेहमान देश फ्रांस, बाकी विदेशी मेहमानों और देश के प्रकाशकों, पाठकों का स्वागत करने का मौका मिला। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने पाठकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के पवेलियन में आमंत्रित किया। यहां अभिभावकों को उनके बच्चों के भविष्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी मिलेंगी। उन्होंने मेले की सफलता की कामना करते हुए एनबीटी को शुभकामना दी है। इस बार का पुस्तक मेला युवाओं और आजादी के अनसंग हीरोज पर केंद्रित है। इसके अलावा मेले के थीम पवेलियन में जी-20 और आजादी के अमृत महोत्सव की झलक नजर आती है। हथकड़ी में जकड़े भगत सिंह और कारावास में लिखे उनके मूल खत यहां मौजूद हैं।

दिल्ली में उड़ान नहीं भर पाएगा एम्स का ड्रोन, इस वजह से लेना पड़ा योजना को रद्द करने का फैसला

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। मानव अंगों के परिवहन के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), दिल्ली का ड्रोन उड़ान नहीं भर पाएगा। एम्स ने संजीवनी योजना के तहत मानव अंगों के परिवहन के लिए बीते वर्ष सितंबर में योजना बनाई थी। योजना के तहत एम्स ट्रामा सेंटर, एम्स परिसर से मानव अंगों का परिवहन कर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर (एनआईसी), झज्जर सहित दिल्ली-एनसीआर के अस्पतालों में लाना और ले जाना था, लेकिन दिल्ली का क्षेत्र नो फ्लाई जोन होने के कारण इस योजना को मंजूरी नहीं मिल पा रही है। ऐसे में एम्स ने इस योजना को रद्द करने का फैसला किया है। योजना रद्द होने के बाद एम्स परिसर में होने वाले अंगदान व प्रत्यारोपण के लिए अंगों का परिवहन ग्रीन कॉरिडोर बनाकर किया जाएगा। एम्स ट्रामा सेंटर सूत्रों के अनुसार परियोजना को मंजूरी न मिल पाने के कारण फिलहाल प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाएगा। बता दें कि दुनिया के कुछ विकसित देशों में प्रत्यारोपण ऑपरेशन के लिए मानव अंगों का ड्रोन से परिवहन किया जाता है। भारत में इसके लिए सरकारी अधिकारियों से अनुमति लेनी पड़ती है। दक्षिण भारत में ड्रोन के माध्यम से अंगों का परिवहन की सुविधा शुरू हो चुकी है। पिछले वर्ष केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने चेन्नई में मानव अंगों के परिवहन के लिए भारतीय ड्रोन प्रौद्योगिकी के पहले प्रोटोटाइप का अनावरण था। एम्स ट्रामा सेंटर में हर साल औसतन 10 से अधिक अंगदान होते हैं। पिछले साल भी एम्स में 16 से अधिक लोगों ने अंगदान किया था। इसके अलावा एम्स में राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) से प्राप्त अंगों का प्रत्यारोपण होता है। एम्स अपने यहां होने वाले अंगदान व प्रत्यारोपण में सुधार व तेजी लाने के लिए ड्रोन सेवा को शुरू करना चाहता था।

आईटीओ से डीपीएस तक मथुरा रोड सिग्नल फ्री, वाहन चालकों के लिए लगाए गए दिशा-निर्देश

अतुल्य लोकतंत्र/ब्यूरो

नई दिल्ली। आईटीओ से लेकर डीपीएस स्कूल तक मथुरा रोड (दोनों कैरिज्वे) को सिग्नल फ्री कर दिया गया है। मथुरा रोड पर सभी कट (ट्रैफिक सिग्नल) बंद कर दिए गए हैं। मथुरा रोड पर लगने वाले जाम को देखते हुए ये फैसला किया गया है। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) सुरेंद्र सिंह यादव ने शुक्रवार शाम को मथुरा रोड का जायजा लिया। इसके बाद पुलिस अधिकारियों व स्थानीय निकायों के अधिकारियों ने बैठक कर मथुरा रोड को सिग्नल फ्री करने का फैसला किया । मथुरा रोड पर लोगों की सहूलियत के लिए दिशा निर्देश साइनेज व बोर्ड लगाए गए हैं। विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि लोगों के लिए साइनेज लगाए गए हैं। ट्रैफिक के सुचारू संचालन के लिए काफी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। डीपीएस स्कूल, चिड़ियाघर के पास, नेशनल स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया और प्रगति मैदान के गेट नंबर -10 के पास कुल चार अंडरपास हैं। लाजपत नगर की तरफ से लाला लाजपत राय मार्ग पर डीपीएस स्कूल की तरफ जाने वाला कट बंद कर दिया है। अब लोग कुछ दूर जाकर अंडरपास-1 से यू-टर्न लेकर डीपीएस स्कूल व निजामुद्दीन जा सकते हैं। दूसरा, चिड़िया घर के सामने से जाकिर हुसैन मार्ग की तरफ वाले वाला कट बंद कर दिया गया है। अब प्रगति मैदान व आईटीओ से आकर जाकिर हुसैन मार्ग की तरफ व खान मार्केट जाने वाले लोग अंडरपास-2 से यू-टर्न लेकर जा सकते हैं। तीसरा, भैरो मार्ग व आईटीओ से आकर हाईकोर्ट व इंडिया गेट वाला कट भी बंद कर दिया गया है। भैरों मार्ग व आईटीओ से आने वाले लोग अंडरपास-2 से यू-टर्न लेकर शेरशाह रोड होकर इंडिया गेट जा सकते हैं। इंडिया गेट से शेरशाह रोड होकर मथुरा रोड से दाएं चिड़ियाघर व लाजपत नगर जाने वाला कट बंद दिया गया है। लोग अंडरपास-3 से यू-टर्न लेकर जा सकते हैं। भगवान दास रोड से भैरो मार्ग की तरफ मथुरा रोड पर कट बंद कर दिया गया है। अब लोग अंडरपास-4 से यू-टर्न लेकर जा सकते हैं। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के अनुसार कुछ महीने पहले भी मथुरा रोड को सिग्नल फ्री करने की कोशिश की गई थी। मथुरा रोड को सिग्नल फ्री करने के लिए मथुरा रोड पर सभी कट को अस्थायी बेरीकेड लगाकर बंद कर दिया गया था। मगर ये कोशिश कामयाब नहीं हुई थी। ट्रायल के दौरान काफी जाम लग गया था और पुलिस को ये प्लान छोड़ना पड़ा था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के अनुसार विशेष पुलिस आयुक्त सुरेंद्र सिंह यादव ने सभी लोगों के साथ कई बैठकें की हैं। मथुरा रोड पर जो खामियां थीं उनको पूरा किया गया है। इस बार विशेष तैयारियां की गई हैं। काफी मात्रा में साइनेज लगाए गए हैं। कट बंद होने के काफी पहले साइनेज लगाए गए हैं। ताकि लोगों को पता लग जाए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मथुरा रोड को सिग्नल फ्री बनाने के लिए पहले काफी परेशानी आई थी। भैरो रोड व चिड़ियाघर के पास ट्रैफिक क्रॉस व मिक्स हो रहा था। अंडरपास तीन से जब ट्रैफिक निकलता है तो वह लेफ्ट में रहता है। लेफ्ट में बसें रहती हैं। इस कारण जाम लग जाता था। ऐसा ही नेशनल स्पोर्ट्स क्लब व चिड़िया घर के सामने हुआ था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने स्थानीय निकायों को पत्र लिखा था। इस बार इन खामियों को दूर कर अंडरपास को शुरू किया गया है।

Ayurvedic home remedies to relieve constipation naturally

Constipation is a common health problem that can interfere with your routine, appetite and mood. Some of the most common causes of constipation include dietary factors like junk food consumption, alcohol drinking, overeating, insufficient fiber in the diet, inadequate water intake and heavy meat eating. Other factors include smoking and lack of exercise.

● Vata dosha balancing diet

According to Ayurveda, 'vata' manages all the movements in the mind and body. It contains elements like air and space and is generally characterized as dry, light, cold, rough, moving and always changing. A vata-balanced diet includes freshly cooked, whole foods that are soft or mushy in texture. These foods are rich in protein and fat and served either warm or hot. So stay away from cold foods and drinks and consume warm foods, warm drinks and well-cooked vegetables.

● Triphala

Triphala is one of the most effective ayurvedic remedies to relieve constipation. Triphala has glycoside that has laxative properties. You can prepare a tea from triphala by mixing it in hot water. You can also combine one-fourth teaspoon of triphala with half teaspoon of coriander seeds and one fourth teaspoon of cardamom seeds. Grind them together and mix it in a glass of water. The trio can be super effective to induce bowel movement.

● Roasted fennel seeds

If you have constipation, mix a teaspoon of roasted and powdered fennel seeds with a glass of warm water. Consuming fennel seeds can help produce certain gastric enzymes that can boost the digestive process and promote healthy bowel movement.

● Pulp of bael fruit

Bael fruit has laxative properties. If you have constipation, eat half a cup of bael fruit pulp with a teaspoon of jaggery in the evening before dinner. You can also have bael sharbat by mixing bael juice with some tamarind water and jaggery. It is recommended to consult your doctor before consuming bael if you are diabetic. Also avoid consuming too much quantity as it can upset your stomach further.

● Liquorice root

Liquorice or mulethi has an anti-inflammatory effect and it may aid digestion. Add a teaspoon of powdered liquorice root and a teaspoon of jaggery in a cup of warm water. It is advised to consult an ayurvedic expert before consuming it regularly.

5 second optical illusion challenge! Can you spot the lizard?

ATULYA LOKTANTRA

There are several ways to test your brain and challenge your cognitive skills. Brain teasers, puzzles, 'spot the difference' tests can all intrigue your mind and bring out the best in you in terms of your intelligence. However, have you tried solving an optical illusion? Optical illusions are puzzles that test your visual perception. It helps you improve your concentration and observation skills. What it depicts is often not the reality and you must fish for what the illusion really stands for. This is what makes it so fun and exciting too. One such optical illusion is the image above. You can see a part of a desert with a small bed of tiny rocks. Among these gravels a lizard is hiding. You need to spot the reptile in 5 seconds or you lose! Can you do it in a limited time?

For many it is quite challenging to find the lizard in just 5 seconds, while some find it at a glance.

People with high level focus and concentration skills can detect the lizard in the given time.

So tell us? Have you found the lizard?

Here's what you can do…

Look at the image carefully. Focus. Concentrate. Try and look for anything that is similar to the shape of the lizard.

Here's a hint... the lizard is almost the same colour as the rocks and has blended really well.

Spotted it now?

Your time is up!

● The Solution

The lizard is situated at the center of the image, camouflaged perfectly amongst the rocks. It has a red mark on its body. The species of the lizard is called toadhead agama. It dwells in the deserts of Asia and the Middle East. For those of you who got the answer, congratulations! Those of you who didn't, better luck next time. We have a wide range of optical illusions lined up just for you.

Fatigue symptoms: Warning signs your body is under chronic stress and adrenal fatigue

Your adrenal glands produce a variety of hormones including hormones like cortisol and adrenaline that are produced in response to stress. When under stress, these hormones enhance your blood flow to the heart, lungs and muscles, and divert energy from less imminently vital tasks like digestion and detoxification.

Once the threat has gone, our biology is designed to return to our baseline 'rest and digest' state. However, chronic stress can happen when your body continues to stay in the stress response. This can dysregulate your hormones and your adrenal glands can become fatigued. Here are some signs that your adrenals need support.

● Fatigue that you can't shake

Even if you feel fatigued after getting enough sleep, and experience difficulty getting started in the mornings, you could be dealing with chronic stress and your adrenals could be struggling.

● Reliance on caffeine

If you're feeling a lot of fatigue, you might find yourself relying heavily on caffeine, such as through tea or coffee, to stay alert and get through the day. It could be a sign that your stress hormones are dysregulated and fatigued.

● Sugar cravings

If you are experiencing increased sugar cravings, you could be experiencing fatigue and this could be a sign that your body is seeking external sources of energy. Try not to give in to these cravings and instead balance your blood sugar by eating nourishing whole foods, protein and healthy fats.

● Salt cravings

Salt cravings can be a sign that your adrenals are working overdrive as the adrenal glands require a lot of salt to function. It is important to note that salt is not inherently bad for you and should be consumed in moderate quantities regularly. It is best to consult your doctor in case you have any health issues such as high blood pressure.

● Low tolerance to stress

If your body is under chronic stress and your adrenals are already overworked, then even an otherwise insignificant trigger can feel enormous and unsurpassable. It shows that your mind and body is under heavy stress and you may also experience poor mood regulation.

● Frequent illness

Chronic stress and adrenal fatigue can also compromise your immune system, which can lead to frequent illness. You may develop infections more frequently and have a harder time recovering from them. It can also increase your risk of developing certain kinds of chronic disease.

Mental health: Exercise is 1.5 times more effective than medication or counseling, study claims

ATULYA LOKTANTRA

According to the World Health Organization, one in every eight people worldwide live with a mental disorder. While counseling or medications are considered the most logical treatment options for mental health issues, new research has found that exercise can work as a mainstay approach for managing depression. The study by University of South Australia researchers shows that physical activity is 1.5 times more effective than counseling or the leading medications. "Physical activity is known to help improve mental health. Yet despite the evidence, it has not been widely adopted as a first-choice treatment," lead researcher Dr. Ben Singh said in a statement.

● About the study

The study used 97 reviews, 1,039 trials and 128,119 participants, marking it as one of the most extensive pieces of research to date. The findings were published in the British Journal of Sports Medicine. The researchers found that exercise improved symptoms of depression and anxiety.

● Results show quickly

The review showed that exercise interventions that were 12 weeks or shorter were most effective at reducing mental health symptoms. This shows that physical activity is quite a speedy treatment method.

● All kinds of physical activity work

The researchers found that higher-intensity exercises had "greater improvements for depression and anxiety." However, they also noted that all kinds of physical activity could "significantly reduce symptoms.""We also found that all types of physical activity and exercise were beneficial, including aerobic exercise such as walking, resistance training, Pilates and yoga," Singh said.

● People who benefit the most from exercise

The researchers noted that the groups who most benefited from increased physical activity were patients with depression, women who were pregnant or postpartum, people with kidney disease, and HIV-positive individuals. Even people who were totally healthy benefited from increased physical activity."We hope this review will underscore the need for physical activity, including structured exercise interventions, as a mainstay approach for managing depression and anxiety," the researchers said.

Other health benefits of exercisePast research has also shown that exercise can positively impact mental health, and also comes with other health benefits such as cancer growth reduction, cognitive decline prevention and even life longevity. Regular physical activity can also ward off cardiovascular disease, Type 2 diabetes and some cancers.

Are you at risk of STIs if you and your partner are virgins?

ATULYA LOKTANTRA

Sexually transmitted infections (STIs) can be quite tormenting for sexually active individuals. More so because you can never be too careful. It can cause discomforting symptoms and affect different parts of the body, which is what makes it concerning. Each and everyone, especially those who have had any sort of sexual contact, is prone to it. But the question is: Are people who are virgins at risk of STIs too? Let us find out.

● What 'virginity' may mean for different people

First and foremost, let's understand the varying definitions of 'virginity'. For some people, being a virgin describes anyone who has had sexual intercourse. Vaginal and anal penetration is what defines breaking virginity to some. On the other hand, virginity also means never being in any sort of sexual contact, whether penetrative, oral or otherwise.Irrespective of what your medium of sexual activity is, STIs can be prevalent as long as you are sexually active.

● Penetrative sex and the risk of STI

Sexually transmitted infections (STIs) can spread from person to person through skin-to-skin contact. According to the World Health Organization (WHO), it is spread predominantly by unprotected sexual contact. This primarily includes penetrative sex. The UK National Health Services (NHS) shares that penetrative anal sex has a higher risk of spreading STIs than many other types of sexual activity. This happens because the lining of the anus is thin and can be easily damaged, which makes it more vulnerable to infection, explains the health body.

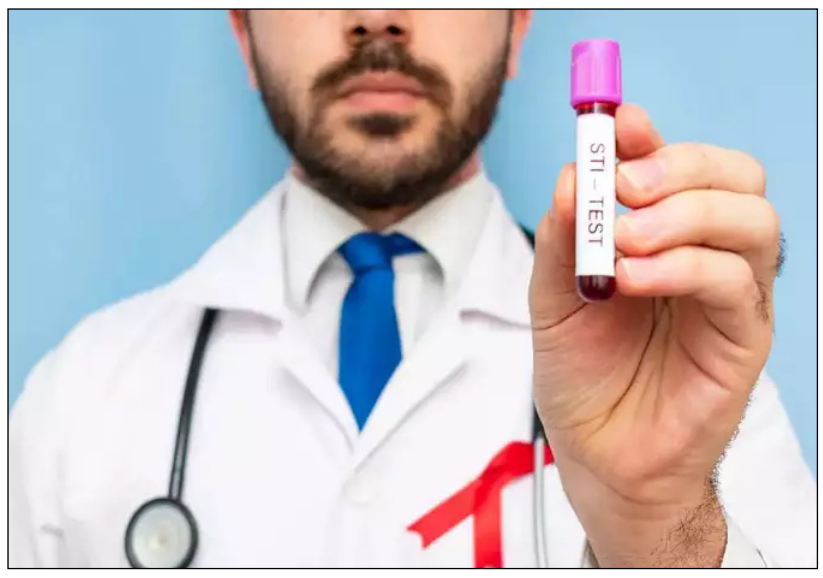

● Common STIs to beware of

The most common and curable STIs are trichomonas, chlamydia, gonorrhea and syphilis, according to WHO. Of the many, viral STIs including HIV, genital herpes simplex virus (HSV), viral hepatitis B, human papillomavirus (HPV) and human T-lymphotropic virus type 1 (HTLV-1) lack or have limited treatment options, shares the global health organization.

● But STIs can transmit through non-penetrative sex too

It is important to note that STIs are not just spread through penetrative sex. VeryWell Health reports that STIs such as oral herpes can also be transmitted through oral sex. It may be in the saliva in your mouth after you kiss a family member or share eating and drinking utensils, the health site shared, quoting the US Centres for Disease Control and Prevention (CDC).

● How to protect yourself

There are several ways to protect yourself from sexually transmitted infections. While it does not guarantee prevention, it can surely minimize your risk. Here are some steps to take. - Practice safe sex by using a condom for both vaginal and anal sex and dental dams for oral sex.

- Discuss your sexual history with your partner, even if it wasn't penetrative.

- Get tested for STIs regularly, particular if you are seeing multiple partners.- Get vaccinated for HPV and hepatitis B.

Everything you wanted to know about ice facial

ATULYA LOKTANTRA

We all at least once in our lifetime have used the most basic and useful method i.e. Ice cubes to gain skin radiance and reduce puffiness with ingredients like water, green-tea etc. The actual science behind using ice as facial is, it causes blood to rise to the surface, it soothes surface, tightens the skin and gives rosy glow to skin. The whole method is called ice facial or skin icing. When vaporized nitrogen is used to cool skin it is called Cryotherapy treatment. This technique was first developed in Japan in 1978 by rheumatologist, Dr. Toshima Yamaguchi. The treatment primarily used to treat rhematic arthritis but now it is widely use to revitalised skin, in migraine pain, treating inflammatory skin ailments etc. Cryotherapy is a non-invasive machine-operated treatment device pumps liquid nitrogen onto the face or body. It is seen to brighten skin, tighten pores, plumps lips and efficiently reduces the appearance of fine lines or age spots in just 15 minutes. The best part of cryotherapy treatment is that it can easily done over makeup face also.

● Targeted areas

Cryotherapy not only done on face, scalp and neck, it is sometimes done in other body parts also. As it gives other benefits also apart from brightening the skin, it helps to reduce pain and aches. When it is done on body, it is called whole body cryotherapy.

● Benefits of Ice facial

The ice facial comes with package full of skin benefits. Dr. Geetika Mittal Gupta, a board certified celebrity dermatologist and Director and founder of ISAAC LUXE Clinics shares some benefits on ice facial on skin.

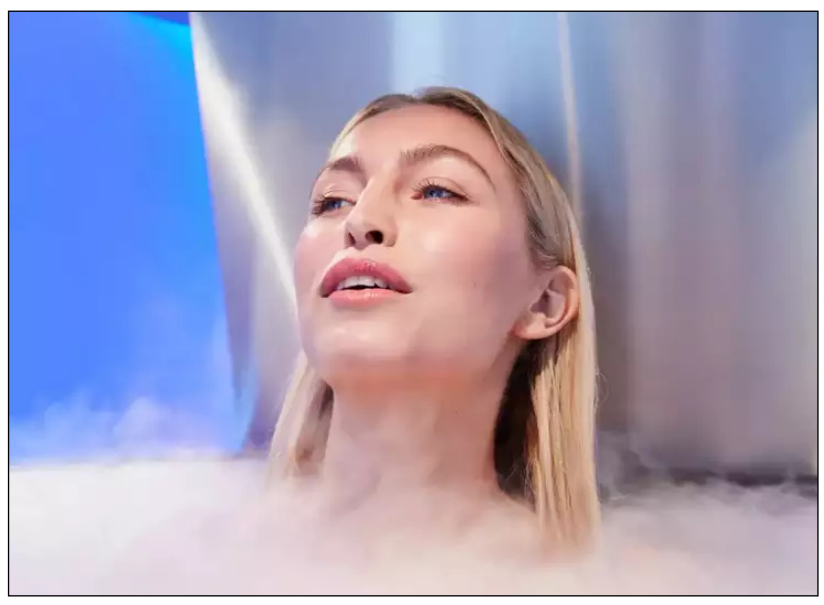

● As anti-inflammatory agent

Inflammation anywhere in our body, requires icing to reduce inflammation. Same principle applies for facial skin, Icing facing reduces signs of inflammation like redness, puffiness, swelling etc. and gives aesthetic benefits. Ice facials helps people dealing with rosacea and acne by calming down the triggers caused by inflammatory agents.

● Calms and soothes blemishes:

Icing calms and soothes irritated, helps to reduce swelling and redness of acne. Helps to get rid of swollen and puffed face so that acne ointments works well. It helps to give radiant and bright skin.

● Reduction in pore size:

Ice facial helps in shrinkage of pore size to get rid of enlarged clogged pores caused due to debris and excess sebum and provides you smoother skin.

● Exfoliation of skin

Cryotherapy helps to exfoliates dead cells and promotes new cell growth, gives you even skin tones.

● Other benefits

It proved beneficial in easing symptoms of migraine and arthritis pain, treat mood disorders, freeze cancer cells, and potentially reduce the risk of Alzheimer's disease and other types of dementia.

देश व प्रदेश की प्राचीन लोक गाथाओं पर आधारित नृत्य और गायन की प्रस्तुतियों से बांधा समां

लोक कलाकार अपनी संस्कृति और लोक विद्याओं के माध्यम से पर्यटकों का कर रहे हैं भरपूर मनोरंजन

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। 36 वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला की छोटी चौपाल पर आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव की श्रृंखला में देश के विभिन्न प्रांतों से आए कलाकारों ने शनिवार को अपनी नृत्य व गायन कला से सभी पर्यटकों को देश व प्रदेश की प्राचीन लोक गाथाओं पर आधारित नृत्य और गायन की प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। उल्लेखनीय है कि मेले की दोनो चौपाल क्रमशः मुख्य चौपाल तथा छोटी चौपाल पर सुबह से लेकर सांयकाल तक एक के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां पेश की जा रही हैं। इसमें देश-विदेश से आए लोक कलाकार अपनी संस्कृति और लोक विद्याओं के माध्यम से पर्यटकों का भरपूर मनोरंजन कर रहे हैं। संदीप ढोल व नगाडा पार्टी ने बृज बंब रसिया की प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। बदरपुर बॉर्डर से आए राजकुमार बीन पार्टी, मॉडर्न बी.पी. स्कूल ने हरियाणवी नृत्य, आंध्रप्रदेश के कलाकारों ने लुम्बाडा लोकनृत्य, उमाशंकर एंड पार्टी ने मयूर नृत्य, हिमाचल प्रदेश के कलाकारों ने नाटी नृत्य, पून एंड पार्टी ने हरियाणवी खोडिया लोक नृत्य, तरूण जोशी ने गजल गायन से पर्यटकों का मन मोह लिया। वहीं राकेश एंड पार्टी ने हरियाणवी लोक नृत्य देशों में देश भारत, भारत में हरियाणा, तारों में वो चांद सा मुखड़ा गोरी का, तेरी लचके कमर हाय रे टूटन ने होरी आदि गीतों पर नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने को विवश कर दिया। दर्शकों ने भी छोटी चौपाल पर एकाएक कलाकारों की प्रस्तुतियां देखकर खूब आनंद लिया। छोटी चौपाल पर बंचारी की कर्ण सिंह एंड नगाडा पार्टी की थाप पर देशी-विदेशी पर्यटक जमकर थिरकते नजर आए।

धान से बने आभूषणों का महिलाओं में है जबरदस्त क्रेज

भाई के लिए विशेष राखी बनाने के जुनून से इजाद हुई धान से आभूषण बनाने की कला

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

सूरजकुंड। रक्षाबंधन पर अपने भाई के लिए कुछ अलग तरह की राखी बनाने के जुनून ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता की रहने वाली पुतुल दास मित्रा को दुनिया भर में ख्याति दिला दी। सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले में इनके द्वारा धान के दाने से बने आभूषणों ने धूम मचा रखी है। धान से आभूषण बनाने की कला में राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल कर चुकी पुतुल दास मित्रा की स्टॉल पर महिलाओं का हुजूम उमड़ा रहता है। लीक से हटकर आभूषण पहनने का शौक रखने वाली महिलाएं न केवल सामान्य दिनों के लिए आभूषण खरीद रही है, बल्कि विवाह जैसे आयोजनों के लिए भी यहां से धान के दाने से बने आभूषण खरीद रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1998 में अपने भाई की कलाई पर अलग तरह की राखी बांधने का जुनून सवार हो गया। कई दिनों की मशक्कत के बाद धान के दानों से राखी बनाई। यह सभी को पसंद आई। इसके बाद उन्होंने आभूषण बनाने की शुरुआत की। पहले दिन से ही उन्हें इसका अच्छा रिस्पांस मिला। उसके बाद लगातार वे नई-नई किस्म के आभूषण तैयार कर रही हैं। पुतुल दास मित्रा ने बताया कि इस कला को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार कि गुरु शिष्य परंपरा योजना के तहत वह विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण दे चुकी है। उन्होंने बताया कि अब गोल्ड, सिल्वर और प्लेटिनम के आभूषणों का क्रेज धीरे-धीरे खत्म हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जिला फरीदाबाद में शक्तिकेंद्र व बूथ स्तर पर सुनी गई मोदी के मन की बात

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। आज फरीदाबाद के सभी मंडलों में शक्तिकेंद्र व बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया तत्पश्चात राष्ट्रपति जी का अभिभाषण पढ़ा गया । भाजपा फरीदाबाद के वरिष्ठ नेताओं, केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा,भाजपा ज़िला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, विधायक सीमा त्रिखा, राजेश नागर, नरेन्द्र गुप्ता, पूर्व प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी, अनुशासन समिति की प्रदेश अध्यक्ष नीरा तोमर,स्थानीय निकाय प्रदेश सह संयोजक महापौर देवेन्द्र चौधरी, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सोहनपाल सिंह, जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल व आर एन सिंह और प्रदेश और जिला पदाधिकारियों ने अलग अलग शक्तिकेंद्र व बूथों पर आयोजित कार्यक्रमों में अपनी उपस्तिथि दर्ज की । जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने कहा कि आज जिले में प्रधानमन्त्री का लोकप्रिय कार्यक्रम जो कि महीने के अंतिम रविवार को प्रात:11 बजे प्रसारित होता है आज उसके 98 वे एपिसोड को सभी शक्तिकेंद्रों पर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं के द्वारा सुना गया व तत्पश्चात राष्ट्रपति का अभिभाषण पढ़ा गया । प्रधानमन्त्री के मन की बात कार्यक्रम से हमें बहुत सी जानकारी मिलती है,हमारी जनरल नॉलेज बढती है । यह इकलौता ऐसा कार्यक्रम है जिसके माध्यम से हमें समूचे भारत में चल रहे विशेष कार्यक्रमों व सेवा कार्यों का पता लगता है और साथ ही समूचे भारत के दर्शन सिर्फ आधे घंटे में करने व अलग अलग जानकारियाँ एवं क्रिया कलापों को जानने का अवसर मिलता है।

जन हिताय सेवा समिति द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। जन हिताय सेवा समिति द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर सैक्टर-7 सी स्थित सर्वे सुखाय- क्लीनिक परिसर में लगाया गया। इस शिविर में एस्कोर्ट्स फोर्टिज के डाक्टरों ने 150 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। जिसमें हार्ट, कान, नाक गला, बी.पी.जांच, शुगर जांच, ईसीजी, बीएमडी की जांच की गई। इस अवसर पर प्रधान जगदीश गुप्ता, महासचिव पी.के. त्रिपाठी ने अतिथि पं. प्रीतम सिंह, राजेश गुप्ता, सुरेश चंद शर्मा, एडवोकेट ब्रजमोहन शर्मा का माला पहनाकर व पगड़ी बांधकर स्वागत किया। इस मौके पर फोर्टिज अस्पताल के डाक्टर कमल गुप्ता हृदय रोग विशेषज्ञ व डा. सुरेन्द्र कुमार ईएनटी विशेषज्ञ ने लोगों की जांच की। इस मौके पर जनहिताय सेवा समिति के सदस्य सतपाल सिंह, नरेन्द्र सिंह, संजय चावला, गुलशन खन्ना, लोकेश शर्मा द्वारा जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधान जगदीश गुप्ता ने बताया कि जनहिताय सेवा समिति हर दो माह में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाती है। इससे पहले संस्था ने स्त्री रोग, नेत्र जांच और अब हृदय व नाक, कान गला का स्वास्थ्य शिविर लगाया है।

फरीदाबाद की मुंबई वडोदरा हाईवे के अलावा नोएडा से सीधे रोड, जेवर एयरपोर्ट से होगी सीधी कनेक्टिविटी : कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा

बजट में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बल्लभगढ़ को एलिवेटेड की सौगात

अतुल्य लोकतंत्र/दीपक शर्मा

फरीदाबाद/ बल्लभगढ़। हरियाणा के परिवहन विभाग के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि फरीदाबाद की मुंबई वडोदरा हाईवे के अलावा नोएडा से सीधे रोड जरिये तथा जेवर एयरपोर्ट से सीधी कनेक्टिविटी होगी। वहीं बजट में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बल्लभगढ़ को एलिवेटेड की सौगात देने का ऐतिहासिक विकास कार्य किया है। कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है और देश हित में पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता समय समय पर मंथन करने के लिए एकत्रित होते है। उसी के तहत भारतीय जनता पार्टी की मंडल स्तर पर कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जा रही हैं। परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने आज बल्लभगढ़ की सुभाष कालोनी में आयोजित आदर्श नगर मंडल की बैठक को सम्बोधित करते हुए यह बातें कही। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया गया है।वहीं फरीदाबाद के लिए मुंबई बड़ोदरा हाईवे के अलावा नोएडा से सीधे रोड, जेवर एयरपोर्ट के लिए हाईवे का निर्माण जल्द पूरा होने जा रहा है। सरकार की इन बड़े योजनाओं से आम लोगो को लाभ मिलेगा। परिवहन मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने कहा की बल्लभगढ़ में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने मोहना रोड पर एलिवेटेड रोड बनाने के लिए 215 करोड़ की धनराशि जारी की है। जो बल्लभगढ़ के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया की जल्द ही बल्लबगढ़ के सचिवालय, महिला कॉलेज का लोकार्पण किया जायेगा और मोहना पुल एलिवेटेड पुल और बल्लभगढ़ सोहना पुल को डबल करने का भी जल्द मुहूर्त किया जाएगा। प्रदेश के परिवहन और उच्चतर शिक्षा मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने कहा की आने वाले समय में सेक्टर- 23 में बिजली बोर्ड के कार्यालय के पास करीब 5 एकड़ से ज्यादा जमीन पर एक नए कालेज का निर्माण कराएंगे। ताकि बल्लभगढ़ की लाखों की आबादी के बीच यहां के बच्चों को उच्च शिक्षा मिल सके। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल का धन्यवाद करते हुए कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ का बस अड्डा अब नया बस पोर्ट बनेगा। जो आधुनिक सभी सुविधाओं से युक्त होगा। इसके बाद प्रदेश के परिवहन एवं उच्चतर शिक्षा मंत्री श्री मूलचंद शर्मा डीएवी शताब्दी महाविद्यालय फरीदाबाद में पहुंचे। जहां कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने महाविद्यालय 24 वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। दीक्षांत समारोह में पहुंचने पर उच्चतर शिक्षा मंत्री श्री मूलचंद शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वहीं वाईएमसीए यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के वाइस चांसलर श्री एसके तोमर ने की कार्यक्रम अध्यक्षता की। कॉलेज प्रिंसिपल श्रीमती सविता भगत ने सभी अतिथियों का बुक्का देकर स्वागत किया।

सूरजकुंड मेला में देश-विदेश से आए कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से दर्शकों का मोहा मन

मेला परिसर स्थित मुख्य चौपाल पर महाशिवरात्रि के मौके पर अलग-अलग रंगों में रंगे नजर आए कलाकार

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। 36 वें अंतरराष्ट्रीय सूरजकुंड हस्तशिल्प मेले की मुख्य चौपाल पर महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर देश-विदेश से आए कलाकारों ने अपने-अपने देशों की गीत व संगीत नृत्य कला की भव्यता को प्रदर्शित कर चौपाल पर बैठे सभी पर्यटकों को अपनी कला से आर्कषित किया। किर्गीस्तान देश के कलाकारों ने कोगोश डांस जाईलोजो नृत्य की बेहतरीन प्रस्तुति दी। पंजाब राज्य से आए कलाकारों ने भांगडा की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को चार चांद लगा दिए। उन्होंने भंगडा के जरिए पंजाब को गुरूओं की धरा बताया और महान देशभक्त शहिदे आजम भगत ड्क्षसह, स्मृद्ध किसानों की भव्यता को भांगडा के द्वारा प्रस्तुत किया। इसी कड़ी में नांगालैंड के कलाकारों ने वार डांस की प्रस्तुति दी। उज्जबेकिस्तान के कलाकारों ने गोहिला वाद्य यंत्र पर लासिकी डांस आलागिल बोई बोई की सुंदर मनमोहक प्रस्तुति से पर्यटकों का मन मोह लिया। नॉर्थ इस्ट राज्यों में शुमार त्रिपुरा के कलाकारों ने ओजागिरी डांस कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। रूस से आए कलाकारों ने प्रेम रंग में रंगकर उरस्का डांस की सुंदर प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। आसाम राज्य से आए कलाकारों ने वैस्टोरंग कलात्मक प्रतिभा में मां कामाख्या देवी की उपासना की पीहू रंग द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मुख्य चौपाल पर देश-विदेश से आए कलाकारों के टीम लीडर व सभी अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

क्यूआरजी हस्पताल में मरीज के परिजनों नें काटा बवाल,लाश को वेंटिलेटर लगाकर पैसे बनाने के आरोप

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद के क्यूआरजी हास्पिटल में उस वक्त हंगामा हो गया जब एक मरीज के तिमारदारों ने हंगामा खड़ा कर दिया। परिजनों का आरोप था कि उनके मरीज की मौत हो चुकी है और हास्पिटल सिर्फ बिल बढाने के लिए उसको आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखे हुये है उधर हास्पिटल प्रशासन का कहना था कि मरीज की सांसे चल रही है इसलिए उसको वेंटिलेटर पर रखा गया है इसी बीच परिजनों ने पुलिस को बुला लिया। पुलिस परिजनों को लेकर आईसीयू में मरीज के पास ले गई, वहां उन्हे मरीज दिखाया गया परन्तु परिजन उससे संतुष्ट नहीं हुये।दूसरा परिजनों का आरोप था कि हास्पिटल ने जितना बताया था उससे चार गुना बिल बनाकर थमा दिया।मरीज को तीन दिन पहले पेट में पानी भरने की समस्या को लेकर भर्ती कराया गया था मरीज का नाम मेहर सिंह था और वो लगभग 35 साल का था। परिजनों के अनुसार हास्पिटल ने आठ लाख सत्तर हजार का बिल बनाया था जिसे परिजनों के हंगामे और पुलिस एवं मीडिया के आने के कारण साढे चार लाख कम करके मरीजों को डेड बॉडी सौंप दी,जिसे हास्पिटल जिंदा बताकर आइ सी यू में डालकर पैसे बनाने के लिए वेंटिलेटर पर डाले था आज शाम को उसका दाह संस्कार कर दिया गया।

महामारी के बावजूद बेहतरीन बजट देना भाजपा की खूबी: राजेश नागर

खेड़ी मंडल कार्यकारिणी की बैठक में बोले विधायक राजेश नागर

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। तिगांव विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजेश नागर ने कहा कि दुनिया महामारी के बाद हिली हुई है जिससे अनेक देशों में कई प्रकार के करों का प्रावधान किया गया है और अनेक कटौतियां की गई हैं लेकिन भारत में भाजपा की सरकारें बेहतरीन बजट प्रस्तुत कर जनता को राहत देने का काम कर रही हैं। यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। नागर अपने भतौला स्थित निवास पर भारतीय जनता पार्टी खेड़ी मंडल की कार्यकारिणी बैठक को संबोधित कर रहे थे। जिसमें खेड़ी मंडल के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे। नागर ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता को समान रूप से देखा जाता है। हमारे यहां कार्यकर्ता ही जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक बनता है। यहां कार्यकर्ता को सबसे ऊंचा माना जाता है। इस मौके पर विधायक राजेश नागर ने कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के बजट के बारे में भी जानकारी दी। विधायक ने सरकार के बजट की उपलब्धि बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा प्रस्तुत प्रदेश सरकार के बजट में कोई भी नया कर नहीं लगाया है, यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा स्टार्टअप में मदद करने और कारोबारियों के हितों की सुरक्षा के लिए भी बजट में प्रावधान किए गए हैं। सरकार ने बुजुर्गों की पैंशन में भी बढ़ोतरी की है। जिसके लिए अन्य राज्य सरकारें भी हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की प्रशंसा कर रही हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने हमारी गौशालाओं में आधुनिक सुविधाएं देने के लिए भी व्यवस्था की है वहीं पूरे प्रदेश सहित हमारे क्षेत्र में भी सड़कों का जाल बिछाने का काम तेजी पर जारी है। जिससे विकास के पथ पर सभी मिलजुलकर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद को दुनिया के मानचित्र पर लाने के लिए सरकार तमाम प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में सूरजकुंड में हस्तशिल्प का मेला जो फरवरी माह में लगाया जाता था अब वह दीपावली पर भी लगाया जाएगा लेकिन इसमें सभी स्वदेशी शिल्पियों को भागीदारी का अवसर प्रदान किया जाएगा। बैठक में जिला विस्तारक मंजीत जांगड़ा, विधानसभा प्रभारी प्रकाश भाटी, जिला संयोजक मुनिराज भामरी, तिगांव मंडल अध्यक्ष गिर्राज त्यागी, कृष्ण कुमार शर्मा, नंद किशोर शर्मा, पुनीत झा, अमित शर्मा, नेपाल भाटी, कर्मवीर वोहरा, पुष्पा, मोहम्मद जावेद, सुधीर मेहता, सपना पाराशर, संगीता त्यागी, श्रीमाल भाटी, प्रहलाद बांकुरा, अनिल शर्मा, वेदपाल, संदीप अधाना, कृष्ण कुमार आदि व्यक्ति मौजूद रहे।

वृक्ष रोपण वृक्ष रोपण एक पहल व पर्यावरण संरक्षण संस्था द्वारा महा रक्तदान शिविर का आयोजन

हमारे द्वारा दान किए गए रक्त से कई लोगों की जान बचती है : विजय प्रताप

अतुल्य लोकतंत्र/संवाददाता

फरीदाबाद। रविवार को सैनिक कॉलोनी सैक्टर-49 मे वृक्ष रोपण एक पहल व पर्यावरण संरक्षण संस्था के द्वारा थैलीसीमिया बच्चो के लिए रक्तदान शिविर को आयोजन किया गया। शिविर में 130 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस मौके पर कांग्रेसी नेता विजय प्रताप, निवर्तमान पार्षद राकेश भड़ाना, राजू अरोड़ा , गुलशन गाबा, समाजसेवी विमल खंडेलवाल, आईएमए के पूर्व प्रधान डॉ. पूनीता हसिजा, पूर्णिमा रस्तोगी , रमेश अग्रवाल, गौरव अरोड़ा, सुनील भारद्वाज, गुलशन गाबा, सुधीर शर्मा आदि गणमान्य लोगों उपस्थित थे। इस मौके पर विजय प्रताप ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हमारे दान किए गए रक्तदान से कई लोगों की जिंदगी बचती है। रक्तदान का कितना महत्व है इसका अहसास हमें तब होता है जब हमारा कोई निकटतम व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा होता है। रक्तदान कर हम जहां एक ओर किसी की जान बचाते हैं वहीं दूसरी ओर इससे जबर्दस्त आत्म संतुष्टि मिलती है। उन्होंने कहा कि कई लोग रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों के कारण रक्तदान करने से कतराते हैं जबकि इससे कोई हानि नहीं होती बल्कि कई प्रकार लाभ होते हैं। अत- हम सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। इस मौके पर निवर्तमान पार्षद राकेश भड़ाना ने कहा कि रक्तदान दुनिया का सबसे बड़ा दान है और रक्तदान करने से हमारा स्वास्थ तो ठीक रहता ही है और इसके द्वारा हम किसी का जीवन भी बचा सकते है, तो हम सभी को बढ-चढ कर आगे आना चाहिए और रक्तदान अवश्य करना चाहिए। समाजसेवी विमल खंडेलवाल ने कहा कि शिविरों के माध्यम से रक्तदान होने पर ही ब्लड बैंक में पर्याप्त रक्त उपलब्ध रहता है। वृक्ष रोपण एक पहल व पर्यावरण संरक्षण संस्था ने रक्तदान शिविर लगाकर प्रेरणादायी कार्य किया गया है। पीड़ितों की सेवा से बढक़र कोई दूसरा कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि रक्तदान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका किसी फैक्ट्री में निर्माण नहीं हो सकता। आकस्मिक रूप हुई दुर्घटना में घायल और गंभीर रूप से पीड़ितों का जीवन बचाने के लिए दान किया गया रक्त ही काम आता है। अतः हमें रक्तदान के तत्पर रहना चाहिए। आईएमए के पूर्व प्रधान डॉ. पूनीता हसिजा ने लोगो को रक्तदान का महत्व बताते हुए कहा कि रक्तदान का अर्थ सिर्फ खुद के दान से नही होता बल्कि रक्तदान से अभिप्राय किसी जरूरतमंद को जीवन के दान से है, साथ ही आप जरूरतमंद व्यक्ति और उसके परिवार वालों को खुशियाँ भी दान में देते हो. इससे आपको ऐसी खुशी मिलती है जिसे बयाँ नही किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सोचों कि अगर हमारे सामने कोई व्यक्ति अपनी मौत से लड़ रहा होता है और आप उसके जीवन को बचाने में उसकी सहायता करते हो तो इस से बड़ा पुण्य का कार्य कोई नही हो सकता इसलिए हम सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए।